मई 2026

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

व्यक्तित्व विशेष

सबके अखिलेश

R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

समाजवाद सिर्फ नारा नहीं, गरीबों के आंसू पोंछने का संकल्प है। गांव, गरीब, किसान, दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक देश की ताकत हैं। उनके हक की लड़ाई ही असली राजनीति है। सत्ता प्राप्ति का उद्देश्य निजी सुख के लिए नहीं बल्कि सामाजिक न्याय के लिए होना चाहिए।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

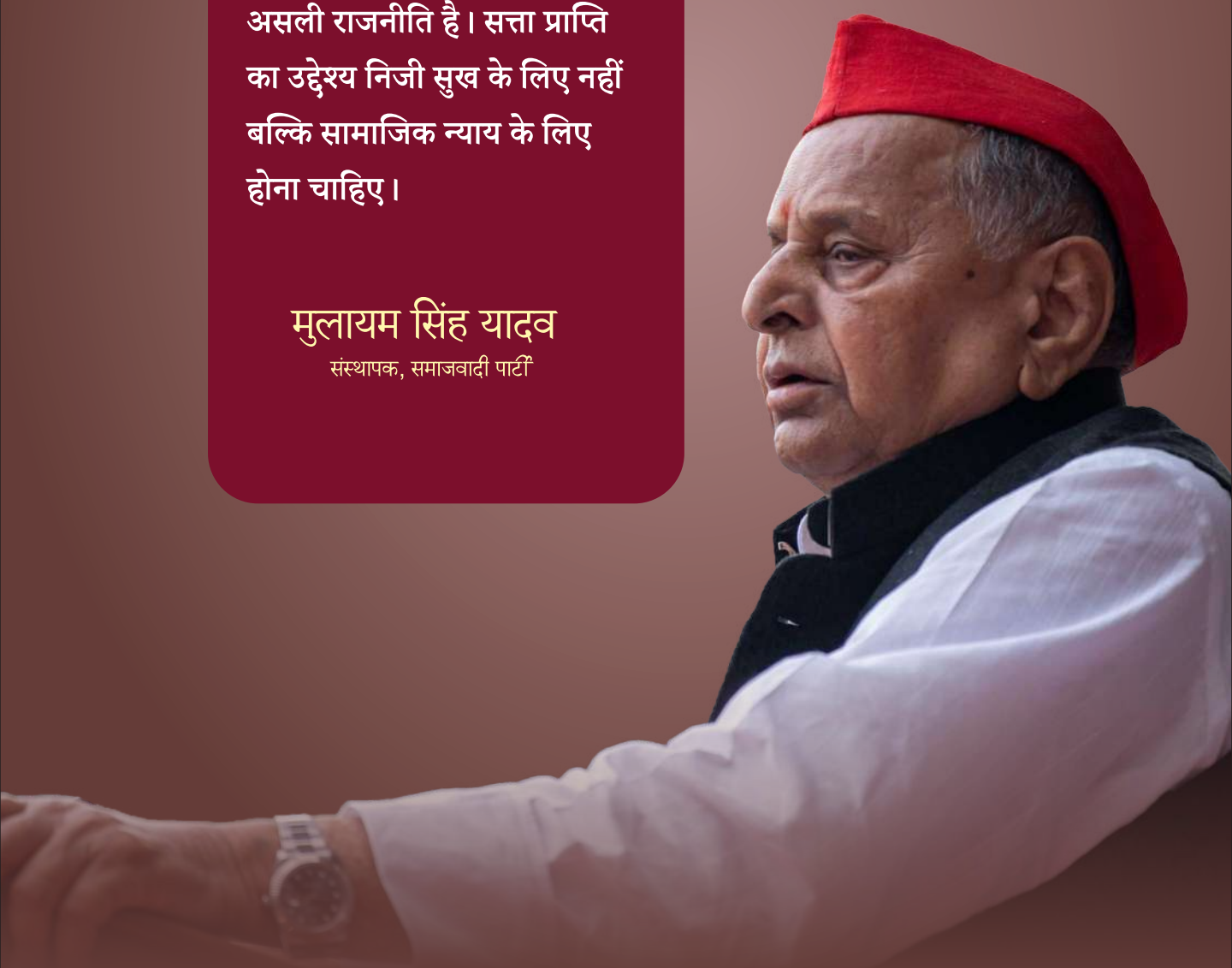

समाजवादी बुलेटिन

मई 2026

वर्ष 27 | संख्या 07

PDA काव्य विचार

गैर बराबरी पर करते सीधा वार
PDA की आवाज़ को देते हैं धार,
संघर्ष ही है उनका हथियार
अत्याचार के आगे बन जाते दीवार,
किसी से राग न मन में कोई द्वेष
जन-जन के दिल में बसते अखिलेश,
खुलकर बोल रहा है अब उत्तर प्रदेश
PDA की ताकत से आ रहे अखिलेश॥

कौशल वर्मा
बाराबंकी

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत हैं। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

महिला आरक्षण :अखिलेश ने लोकसभा में भाजपा को घेरा 22

08 कवर स्टोरी

व्यक्तित्व विशेष
सबके अखिलेश

PDA ऑडिट रिपोर्ट ने खोल दिया आरक्षण घोटाले का काला चिठ्ठा 04

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में भर्तियों में हुई आरक्षण की लूट और घोटाला को लेकर पीडीए ऑडिट रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में 22 भर्तियों में हुए आरक्षण घोटाले का तथ्यपरक और विस्तृत जिक्र है।

प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन पर समाजवादी परिवार मर्माहत 05

विजन इंडिया: किसानों के हितों की रक्षा करेगी सपा 30

PDA ऑडिट रिपोर्ट ने खोल दिया आरक्षण घोटाले का काला चिट्ठा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में भर्तियों में हुई आरक्षण की लूट और घोटाला को लेकर पीडीए ऑडिट रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में 22 भर्तियों में हुए आरक्षण घोटाले का तथ्यपरक और विस्तृत जिक्र है।

यह आडिट रिपोर्ट बताती है कि भाजपा किस तरह पीडीए के अधिकार छीनने में लगी है और संविधान से मिले आरक्षण को खत्म करने पर तुली हुई है। आडिट रिपोर्ट जारी करते हुए श्री अखिलेश यादव ने दृढ़ता के साथ कहा कि समाजवादी पार्टी भाजपा सरकार के पक्षपात और लूट के खिलाफ लड़ती रहेगी।

20 मई को प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव द्वारा जारी ऑडिट रिपोर्ट में 69 हजार शिक्षक भर्ती, वन और वन्य जीव रक्षक भर्ती, बांदा जएग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, एडेड जूनियर हाईस्कूल मास्टर/हेड मास्टर भती, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती, नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती, यूपीएसएसएससी आशुलिपिक भर्ती, लखीमपुर को-आपरेटिव भती, पशु चिकित्सव भती, लेखपाल भर्ती, स्वास्थ्य-शिक्षा अधिकारी भर्ती, चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद भर्ती, कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती समेत 22 भर्तियों में हुए आरक्षण घोटाले की विस्तृत जानकारी दी गई है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी न्याय पाने के लिए हर जगह गए लेकिन भाजपा सरकार में न्याय नहीं मिला। 69 हजार शिक्षक भर्ती में पिछड़े वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण मिलना चाहिए लेकिन उन्हें सिर्फ 3.86 फीसदी आरक्षण मिला। 23.14 फीसदी की लूट हुई।

इसी तरह अनुसूचित जाति का आरक्षण 21

फीसदी है लेकिन उन्हें 16.21 फीसदी मिला। 4.8 फीसदी की लूट हुई। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी शिक्षक भर्ती में 20 हजार सीटों का घोटाला माना है। यूपी सरकार ने 2022 के चुनाव में खुद शिक्षक भर्ती में आरक्षण की लूट को स्वीकार किया और 6800 पदों की एक अतिरिक्त चयन सूची जारी की थी।

भाजपा सरकार ने सबसे शर्मनाक कार्य करते हुए एसटी के 1133 पदों को खाली छोड़ दिया। 6 9 हजार शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाले में अगर सरकार की ही मानें तो कुल 7933 पदों की लूट हुई है।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 69 हजार शिक्षक भर्ती के साथ-साथ 2 2 भर्तियों में हुए आरक्षण घोटाले को उजागर किया है। भाजपा सरकार को जहां-जहां मौका मिला पदों की लूट की। विश्वविद्यालयों की भर्तियों में एनएफएस (नाट फार सुटेबिल) लगाकर आरक्षित वर्ग के लोगों को बाहर कर देते हैं।

भाजपा सरकार आरक्षण लूट के साथ डेटा छिपाने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि सपा भाजपा सरकार के पक्षपात और लूट के खिलाफ लडाई लड़ती रहेगी। भाजपा सरकार के दिन ज्यादा नहीं बचे हैं। समाजवादी पार्टी 2027 में सरकार बनाकर 90 दिन के भीतर 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को न्याय दिलाएगी। जातीय जनगणना कराने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि वह आबादी के हिसाब से हक और सम्मान की पक्षधर हैं। सामाजिक और आर्थिक रूप से पीछे रह गए लोगों के लिए विशेष अवसर चाहते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और पीडीए का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। 2019, 2022 और 2024 के चुनावों में पीडीए का ग्राफ

बढा है और भाजपा का लगातार नीचे जा रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान का प्रावधान लागू करवाने के लिए अगर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़े तो समझ लेना चाहिए सरकार पक्षपाती है। जो पक्षपाती होता है वह विश्वासघाती भी होता है। पक्षपात अपने आप में अन्याय है। पक्षपात हक और अधिकार मारता है। श्री यादव ने कहा कि आरक्षण ही संरक्षक है। आरक्षण समानता का उपाय भी है और उपकरण भी है।

श्री यादव ने कहा कि वर्चस्ववादी आरक्षण की खुली डकैती कर रहे हैं। वे साबित करना चाहते हैं कि अगर संविधान की आरक्षण की व्यवस्था सीधे नहीं खत्म कर सकते हैं तो दूसरे रास्ते से नकार सकते हैं। ये आरक्षण मार रहे हैं। लेटरल एंट्री से अपने लोगों को सेट कर रहे हैं।

श्री यादव ने कहा कि आरक्षण ही सामाजिक और राजनैतिक प्रतिनिधित्व मजबूत करेगा और लोकतंत्र को बचाएगा। आरक्षण में ही सामूहिक लोकतंत्र के निर्णय हो पाएंगे।

आडिट रिपोर्ट जारी करते समय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरणमय नंदा, राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, सांसद श्रीमती डिंपल यादव, नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आदि मौजूद रहे।

प्रतीक यादव का आकस्मिक निधन
समाजवादी परिवार मर्माहत

बुलेटिन ब्यूरो

श्री प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन से पूरा समाजवादी परिवार शोक में डूबा हुआ है। परिवार ने दिवंगत प्रतीक जी को श्रद्धांजलि देते हुए ईश्वर से आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

दुख की घड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव एवं उनकी पत्नी सांसद श्रीमती डिंपल यादव समेत शोकाकुल समाजवादी परिवार के सभी सदस्यों ने प्रतीक जी की पत्नी अपर्णा यादव जी एवं उनकी दोनों बेटियों सुश्री प्रथमा और सुश्री पद्मजा को ढांढस बंधाया।

38 वर्षीय प्रतीक यादव की 13 मई 2026 की सुबह विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर तबीयत खराब हुई और उन्हें सिविल अस्पताल लाया गया परंतु उन्हें बचाया नहीं जा सका। जैसे ही यह सूचना समाजवादी परिवार में पहुंची, लखनऊ से इटावा, सैफई तक शोक की लहर दौड़ गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर केजीएमयू स्थित पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

वे पोस्टमार्टम होने तक वहीं मौजूद रहे और चिकित्सकों से जरूरी वार्ता की। पोस्टमार्टम के बाद दिवंगत प्रतीक यादव का शव आवास पर लाया गया। श्री अखिलेश यादव व सांसद श्रीमती डिंपल यादव दिवंगत प्रतीक यादव के आवास पर भी पहुंचे।

14 मई को लखनऊ के भैंसाकुंड धाम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम विदाई के समय श्री अखिलेश यादव, श्री शिवपाल यादव, श्री धर्मेंद्र यादव और श्री आदित्य यादव आदि समाजवादी परिवार के तमाम सदस्य भैंसाकुंड पहुंचे एवं जरूरी रस्मों को पूरा करवाने में सहयोग दिया।

16 मई को दिवंगत प्रतीक यादव की अस्थियों को हरिद्वार में मां गंगा में विसर्जित किया गया। समाजवादी परिवार के सदस्य अस्थि विसर्जन के दौरान मौजूद रहे। ■■

व्यक्तित्व विशेष
सबके अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

सियासत में कुछ ही चेहरे ऐसे होते हैं जो कुर्सी से नहीं, किरदार से पहचाने जाते हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव उन्हीं राजनेताओं की कतार में खड़े हैं जिनके लिए राजनीति सिर्फ सत्ता का खेल नहीं, समाज के आखिरी पायदान पर खड़े आदमी की आंख का आंसू पोंछने का ज़रिया है।

सकारात्मक राजनीति को तरजीह देने और पीड़ितों की मदद के लिए सदैव मजबूती से खड़े रहने की वजह से उनका व्यक्तित्व खास है और वह सबके दिल में उतर चुके हैं। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात यह है कि वह जब मदद करते हैं तो भेदभाव नहीं होता। उनकी नजर में किसी की पीड़ा ही मदद के लिए काफी है और इंसानियत से बड़ा कुछ भी नहीं।

PDA यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यको एक सूत्र में पिरोकर उन्हें ताकत का एहसास कराने वाले श्री अखिलेश यादव उस वक्त भी इंसानियत के पैरोकार बनकर सामने आए जब एसआईआर के दौरान कई बीएलओ ने जान दे दी और भाजपा सरकार ने परिवार की सुधि नहीं ली।

तब श्री अखिलेश यादव ने जान गंवाने वाले कई बीएलओ के घर जाकर परिवार को

सांत्वना दी। आर्थिक मदद की। बाद में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुलाकर मदद की।

श्री अखिलेश यादव ने जब कहा कि पीड़ित ही PDA है तो इसे सार्थक भी बनाया। उन्होंने PDA को जातियों के खांचे में नहीं बांधा बल्कि दर्द के धागे से पिरो दिया। जिसके साथ अन्याय हुआ, जो व्यवस्था से हारा, जो नफरत का शिकार बना, उसे ही PDA मानकर श्री यादव आगे आए।

PDA के लिए हर उस जगह खड़े मिले, जहां सत्ता की लाठी चली या समाज की चुप्पी भारी पड़ी। गाजीपुर से लेकर हरदोई तक की कहानी इसका सबूत है। विश्वकर्मा समाज की बेटियों पर जब ज़ुल्म हुआ, जब थानों में सुनवाई नहीं हुई तब लखनऊ से एक आवाज़ उठी। श्री अखिलेश यादव न सिर्फ पीड़ित परिवारों के घर पहुंचे, बल्कि आर्थिक मदद, कानूनी लड़ाई और सामाजिक सम्मान, तीनों मोर्चों पर साथ खड़े दिखे।

यही वजह है कि अब यह धारणा मजबूत हो चुकी है कि "नेता तो बहुत देखे, जो दर्द में हिस्सेदार बने अखिलेश यादव के रूप में वह पहली बार देखा।"

राजनीति में विरोध स्वाभाविक है, पर नफरत का कोई स्थान नहीं है लेकिन अब नफरती राजनीति हावी हो गई है खासतौर पर भाजपा इसमें पूरी तरह लिप्त दिखती है। तब श्री अखिलेश यादव नफरत के खिलाफ खुली बगावत कर मोहब्बत का पैगाम देते हैं।

उनकी नीति और नीयत बिल्कुल स्पष्ट है- *उनका जो काम है अहले सियासत जानें, मेरा पैगाम है मोहब्बत जहां तक पहुंचे।* इसी पैगाम को लेकर श्री अखिलेश यादव जब उनका पुतला फूंकने में झुलसीं भाजपा विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल का कुशलक्षेम पूछने अस्पताल पहुंचे तो नफरती राजनीति करने वाले इस सकारात्मक राजनीति के सामने पस्त हो गए।

इस एक कदम ने नई तरह की और बेहतरीन सियासत की परिभाषा को बल दिया है। यहां भी श्री अखिलेश यादव का "पीड़ित ही PDA" का नारा सार्थक हुआ। साबित हो गया कि पीड़ा किसी की भी हो, खड़े होना इंसानियत का तकाजा है। श्री यादव अकेले नेता हैं जो मानवों से अक्सर कहते हैं, "नफरत से देश नहीं चलता, मोहब्बत से चलता है।" और वह इसे सिर्फ कहते नहीं, जीते हैं।

सामाजिक आंदोलन को धार दे रहे श्री अखिलेश यादव की नजर छात्रों से लेकर किसानों, व्यापारियों, महिलाओं, बुजुर्गों, अधिवक्ताओं और समाज के सभी तबकों पर है। सभी की तरक्की के लिए दिनरात मेहनत करने वाले श्री अखिलेश यादव का व्यक्तित्व तब और निखर जाता है जब इंटरमीडिएट व हाईस्कूल परीक्षा में टॉपर्स को पार्टी की ओर से आई पैड, लैपटाप देने के लिए बुलाते हैं और उसमें सिर्फ पीडीए ही नहीं बल्कि सर्व समाज का ख्याल रखते हैं।

समाज के सभी तबके के लिए संघर्ष कर रहे श्री यादव महिलाओं के अधिकारों के लिए

संसद में डट गए। जब भाजपा सरकार ने महिला आरक्षण के जरिये महिलाओं के अधिकारों को दबाने की कोशिश की ताे श्री यादव ने सवाल उठाया: "इसमें ओबीसी, दलित और अल्पसंख्यक महिलाओं का कोटा कहां है?" उन्होंने साफ किया कि बिना सामाजिक न्याय के महिला आरक्षण अधूरा है। ये भाजपा की साजिश है कि PDA की महिलाओं को सत्ता से बाहर रखा जाए।

जब अधिकारों की बात होगी श्री अखिलेश यादव की सबसे बड़ी कामयाबी ये है कि उन्होंने PDA को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक कर दिया है। पहले जो समाज सिर्फ वोट देने तक सीमित था, अब वो हक मांगता है। अब वह पूछता है कि यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर कितने PDA हैं। अब वह सवाल उठाता है कि ठेकों में हिस्सेदारी क्यों नहीं।

"सामाजिक न्याय के राज" की बात अब सिर्फ भाषण नहीं रही। गांव-गांव PDA सम्मेलन हो रहे हैं। युवा संविधान की किताब लेकर घूम रहे हैं। उन्हें पता है कि अखिलेश यादव अकेले नेता हैं जो 69 हज़ार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले पर, 27% ओबीसी आरक्षण पर, जातीय जनगणना पर खुलकर बोलते हैं।

PDA को समझ आ गया है कि भाजपा की साजिशें क्या हैं, कभी धर्म के नाम पर बांटना, कभी आरक्षण को खत्म करना। और ये भी समझ आ गया है कि उन साजिशों को नाकाम कौन कर सकता है।

श्री अखिलेश यादव को लोग इसलिए भी पसंद करते हैं क्योंकि उनके मंच पर नफरत नहीं, विकास की बात होती है। लैपटॉप बांटते समय वह ये नहीं पूछते कि तुम किस जाति के हो। पीड़ित के घर जाते समय वह ये नहीं देखते कि उसने किसे वोट दिया था। उनकी भाषा में ठहराव है, आंखों में अपनापन है।

विरोधी भी मानते हैं कि अखिलेश की सियासत में शालीनता है। पुतला फूंकने वाले से मिल लेना, गाली देने वाले को भी चाय पिला देना, ये सबके बस की बात नहीं।

श्री यादव के व्यक्तित्व में निरंतर हो रहे निखार की वजह से अब बिल्कुल तय हो चुका है कि 2027 में भाजपा सरकार का सफाया हाे जाएगा और श्री यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में एक ऐसी सरकार बनेगी जो प्रदेश में नई सुब्ह का आगाज करेगी जिसमें मोहब्बत होगी, विकास होगा, तरक्की होगी और बहन-बेटियों की सुरक्षा का एक मजबूत कवच तैयार होगा।

यह सब श्री यादव ने कर दिखाया है और सभी को विश्वास है कि आगे भी ठोस इरादे, नेक नीयत और साफ विज़न के साथ उत्तर प्रदेश तरक्की के पथ पर दौड़ेगा।

पीडीए को श्री अखिलेश यादव से खास उम्मीद है और वह एकजुट होकर समाजवादी सरकार बनाने के लिए समाजवादी पार्टी को मजबूत करने में जुट गया है। एकता के इस सूत्र के जरिये ही 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से भी बेहतर परिणाम देने के लिए उत्तर प्रदेश पूरी तरह तैयार है।

अखिलेश से मिल कर सब उनके हुए मुरीद

बुलेटिन ब्यूरो

सौम्यता, मृदुभाषी, विनयशील, सुसंस्कृत, सहृदयता, शालीनता जैसे गुणों के धनी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की लोकप्रियता उनके ऐसे ही सद् व्यवहार की वजह से दिनों दिन बढ़ती जा रही है। सबको अपना मानने का गुण भी श्री यादव को अलग बनाते हैं। यही वजह है कि सभी श्री अखिलेश यादव से मुलाकात के इच्छुक रहते हैं।

श्री यादव भी हर उस शख्स से सहृदयता से मिलते हैं जो मिलने की ख्वाहिश लेकर आता है। एक बार श्री यादव से मुलाकात के बाद हर कोई उनका मुरीद हो जाता है।

हाल के दिनों में श्री अखिलेश यादव से मिलने वालों का तांता लगा रहा। श्री यादव ने सभी से आत्मीयता से मुलाकात की। उन्हें सम्मान दिया।

24 अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख उलेमाओं के प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। सय्यदना खालिद बिन वलीद ट्रस्ट देवबंद के निदेशक कारी मोहम्मद सलीम कासमी ने शेखुल हिंद मेडिकल कॉलेज सहारनपुर में चिकित्सा सुविधाओं का मसला उठाया।

श्री अखिलेश यादव से मुलाकात करने वाले प्रमुख उलेमा सर्वश्री कारी मोहम्मद सलीम, मौलाना आरिफ जहूर कासमी, मुफ्ती अतहर कासमी, मौलाना असगर, कारी जहांगीर, कारी सुएब, कारी जुबेर, कारी अब्दुल अजीम, मौलाना हारून, मौलाना मारूफ, मौलाना राशिद, मौलाना करनैन, मौलाना राशिद अली, शकील नदवी प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्क सभा उत्तर

प्रदेश तथा मोहम्मद इमरान हापुड़ आदि रहे।

20 अप्रैल को बिहार के मुजफ्फरपुर से मुंबई स्थित प्रसिद्ध हाजी अली दरगाह तक स्केटिंग करते हुए जा रहे मोहम्मद तौहीद रजा, मोहम्मद साजिद, मोहम्मद अमीरुल और मोहम्मद अली ने समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ पर श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। श्री अखिलेश यादव ने नौजवानों की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ये सभी नौजवान 2027 के विधानसभा चुनाव में पूरे उत्तर प्रदेश में स्केटिंग करते हुए समाजवादी पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार करना चाहते हैं।

22 अप्रैल को रूहेला सैन सविता, अंसारी तथा प्रजापति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने श्री अखिलेश यादव से भेंट की और अपनी-अपनी मांगों के ज्ञापन सौंपे। श्री अखिलेश यादव ने सभी से पहले समाजवादी सरकार बनाने की बात की ओर सरकार बनने पर सभी की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

रोहिला प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री कृष्ण रूहेला के साथ राम निवास रूहेला, प्रदीप रूहेला, अजय रूहेल, ब्रजमोहन रूहेला, मनीष रूहेला, नितिन रूहेला, आशीष रूहेला, दीपक दर्जी, विजय नाम देव, नीरज रूहेला शामिल रहे। सैन सविता समाज के प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री गिरीश मधुरिया, बोबी सैन कैलाशपुरी, गोलू सैन, विनीत सविता शामिल रहे। फैजल कुमार सलमानी ओर अब्दुल ने भी मुलाकात की।

इनके अलावा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से श्री रमेश प्रजापति, लालचंद प्रजापति, अतुल प्रजापति, रामलाल प्रजापति, श्रीराम प्रजापति, राजेन्द्र प्रजापति, राम किशोर प्रजापति, श्रवण कुमार प्रजापति तथा सतपाल प्रजापति ने भेंट की ज्ञापन सौंपा। प्रजापति समाज ने गुरु पूर्णिमा के दिन प्रजापति दक्ष प्रजापति महाराज की जयंती मनाए जाने का आग्रह किया।

1 मई को चंदौली के वाजिदपुर के पूर्व प्रधान श्री महेन्द्र सिंह यादव, श्री सत्य प्रकाश सोनकर प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी एवं अन्य किसानों ने श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर ज्ञापन दिया।

5 मई को बंगलूरू, कर्नाटक से आए श्री रोहित तिवारी तथा आशीष राय ने श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। श्री यादव ने उनका स्वागत किया। उन्होंने श्री अखिलेश यादव को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके पुनः मुख्यमंत्री बनने की कामना की।

बड़े दिल वाले अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जैसा राजनेता कोई नहीं है। हमेशा सकारात्मक राजनीति को तरजीह देने वाले श्री यादव ने एक बार फिर ऐसी मिसाल पेश की है जो कि आज के दौर में देखने को नहीं मिलती है।

सबके साथ समान भाव से पेश आने वाले श्री अखिलेश यादव ने बीते दिनों फिर साबित किया कि उनके मन में किसी के लिए कोई राग-द्वेष नहीं होता और उनका दिल बहुत बड़ा है। अपनी नाकामी, साजिश छिपाने के लिए भाजपा ने जब श्री अखिलेश यादव के खिलाफ षड़यंत्र करने के लिए भाजपा नेताओं को उकसाया तो बहराइच में विधायक अनुपमा जायसवाल उनका पुतला फूंकने लगी और दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से उसी आग में झुलस गईं। उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भाजपा का कोई नेता उनका हालचाल जानने नहीं पहुंचा। श्री अखिलेश यादव को जब श्रीमती अनुपमा जायसवाल के भर्ती

होने की खबर लगी तो बिना किसी देर के वह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने श्रीमती जायसवाल की कुशलक्षेम पूछी और चिकित्सकों से बेहतर इलाज की बाबत बातचीत की।

उन्होंने श्रीमती जायसवाल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्री यादव ने यहां कोई राजनीतिक बात नहीं की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं लेकिन इंसानियत सबसे ऊपर है। किसी के भी बीमार होने पर उसका हालचाल पूछना हमारा फर्ज है।

इसी तरह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 12 मई को भाजपा की वरिष्ठ नेत्री, पूर्व सांसद व पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी के प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पति पीसी जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री अखिलेश यादव दोपहर करीब एक बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे।

वहां से सीधे श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी के मिंटो रोड आवास पहुंचे और करीब आधे घंटे तक शोक संतप्त परिवार के साथ रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि राजनीति की तल्खियों से ऊपर उठकर मुश्किल समय में एक-दूसरे के साथ खड़ा होना सार्वजनिक जीवन की परंपरा है।

उन्होंने कहा कि भले ही वह और श्रीमती जोशी अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करते हों लेकिन उत्तर प्रदेश की राजनीति में व्यक्तिगत संबंधों का हमेशा अपना महत्व रहा है।

जब सियासत में नफरत और कटुता बढ़ रही हो तब श्री अखिलेश यादव के ये कदम बताते हैं कि विरोध विचारों का हो सकता है, व्यक्ति का नहीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटना से अखिलेश यादव की छवि एक संवेदनशील और बड़े दिल वाले नेता की और मजबूत हुई है। खासकर P D A समुदाय में यह संदेश गया है कि उनका नेता सबके दर्द को समझता है, चाहे वह विरोधी ही क्यों न हो।

हरदोई-गाजीपुर के पीड़ित परिवारों को मिला अखिलेश का साथ

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गाजीपुर व हरदोई में पीडीए परिवार की बेटियों पर हुए जुल्म की इंतहा पर गहरी चिंता, दुख जताया और दुःखी परिवार की 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद की।

हरदाई में वह खुद पहुंचे तो गाजीपुर में वरिष्ठ नेताओं के प्रतिनिधमंडल के जरिये यह रकम भेजी।

श्री अखिलेश यादव ने 30 अप्रैल को हरदोई की बिलग्राम विधानसभा के ग्राम गढ़ी रसूलपुर पहुंचकर श्री राम रईस कुशवाहा की पुत्री की निर्मम हत्या पर पीड़ित परिवार से शोक संवेदना व्यक्त की। दिवंगत बेटी को श्रद्धांजलि दी तथा समाजवादी पार्टी की ओर से उन्हें पांच लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी।

शोकाकुल परिवार को ढ़ांढ़स बंधाने के बाद श्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह शिल्पी कुशवाहा के माता-पिता, दोनों भाइयों तथा परिवार के अन्य सदस्यों से मिलने आए हैं। उन्होंने कहा कि बहुत दुःखद घटना हुई है इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। इस परिवार के साथ हम सब दुःखी हैं। इस परिवार का दुःख कम नहीं होगा। जब बेटी की याद आएगी तो परिवार को बहुत दुःख होगा।

उन्होंने कहा कि भविष्य में कहीं कोई ऐसी घटना न हो, किसी परिवार को ऐसा दुःख सहन न करना पड़े।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार की हर संभव कानूनी मदद देने के लिए तैयार है। समाजवादी पार्टी के साथियों ने मिलकर पीड़ित परिवार को 5 लाख रूपये की आर्थिक मदद की है।

समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर और मदद की जाएगी। परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी देंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस घटना के बारे में कई बार थाने को बताया गया, बेटी खुद गई, कप्तान को जानकारी दी गई लेकिन बेटी को न्याय नहीं मिला। दोषी लोगों को और उनके साथ रहे लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। दोषी अधिकारियों को नौकरी से बर्खास्त कर देना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि हत्याकांड की सीबीआई जांच होनी चाहिए, इसके लिए हम पत्र भी लिखेंगे। यही पीड़ित परिवार भी चाहता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा राज में महिलाओं-बेटियों के साथ सर्वाधिक घटनाएं हो रही हैं। एनसीआरबी का डाटा बताता है कि देश में सबसे ज्यादा महिलाओं के साथ घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं, महिला अपराध में उत्तर प्रदेश नंबर वन है।

समाजवादी पार्टी प्रतिनिधिमंडल विश्वकर्मा परिवार को जब न्याय दिलाने गाजीपुर गया तो वहां के वर्चस्ववादी और ताकतवर लोग पत्थर लेकर निकल पड़े, दंगा फैलाया। इस बारे में पूरा पुलिस-प्रशासन जानता है। प्रतापगढ़ और फतेहपुर में भी ऐसी घटनाएं हुईं। इन घटनाओं में न्याय की बात अधूरी है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर झूठें मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने गाजीपुर के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने व आर्थिक मदद के लिए वरिष्ठ नेताओं-कार्यकर्ताओं से कहा। यहां पीड़ित परिवार तक वरिष्ठ नेताओं ने आर्थिक मदद पहुंचाई।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए समाज ने मिलकर, एक समुदाय के रूप में 5 लाख रुपये एकत्र कर, इस कठिन घड़ी में अपने प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से जो मदद की है, वह दरअसल पीडीए की एकता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि इससे पीड़ित पीडीए परिवार के रूप में इनका मनोबल बढ़ेगा और ये विश्वास भी कि वर्चस्ववादियों के अत्याचार के खिलाफ़ समस्त पीडीए समाज एक साथ संघर्ष कर रहा है और करता रहेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम पीडीए के मान-सम्मान, समान अवसर -स्थान और चतुर्दिक उत्थान के लिए संघर्ष करते रहेंगे, इसमें साल लगे या सदी। पीड़ा ही वह धागा है जिससे पूरा पीडीए समाज जुड़ा है।

श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व मंत्री सर्वश्री राम आसरे विश्वकर्मा, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर, विधायक जयकिशन साहू, और रीता विश्वकर्मा ने पीड़ित परिवार से मिलकर समाजवादी पार्टी की ओर से 2 लाख रूपये और विश्वकर्मा समाज की ओर से 3 लाख रुपये, कुल पांच लाख रूपये की आर्थिक मदद की और न्याय की लड़ाई में परिवार का साथ देने का भरोसा दिया।

फाइल फोटो

पीडीए की करुणा बनाम भाजपाई कुटता

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

कुटता की राजनीति की अपनी सीमाएं होती हैं और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को वह सीमा दिखाई पड़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विभाजनकारी भाषा ने पिछले लोकसभा चुनाव में अपनी सीमाएं देख ली हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव के विश्लेषण से पता चलता है कि सत्तारूढ़ दल कम से कम 210 विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगी दल कांग्रेस पार्टी से पीछे था।

इसमें इंडिया गठबंधन और विशेषकर समाजवादी पार्टी का सर्वाधिक प्रभाव तो पूर्वांचल के जिले फैजाबाद, आजमगढ़, जौनपुर, अंबेडकरनगर और बस्ती में देखा गया। यही वे जिले हैं जिनके चलते समाजवादी पार्टी को 37 और उसके सहयोगी दल को छह लोकसभा सीटों पर विजय मिली थी।

विपक्ष की 43 लोकसभा सीटों की यह विजय भारतीय जनता पार्टी के हृदय में शूल की तरह अभी भी चुभ रही है क्योंकि इसी के कारण भाजपा को सदन में पूर्ण बहुमत नहीं मिला और वह अल्पमत की सरकार चला रही है।

भाजपा की इस चिंता के पीछे असली ताकत है समाजवादी पार्टी का पीडीए आंदोलन। पीडीए यानी पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यकों की एकजुटता ने भाजपा की चिंताएं इस कदर बढ़ा रखी हैं कि वह हाल में हुए योगी मंत्रिमंडल के विस्तार में भी दिखाई पड़ीं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पीडीए अभियान के कारण इस विस्तार में दलित और ओबीसी समुदाय के पांच लोगों को

स्थान दिया गया। इसमें तीन लोग ओबीसी समुदाय से और दो लोग दलित समुदाय से हैं। इस विस्तार के बाद प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए तो फर्जी है और हम असली पीडीए हैं।

उनका यह दावा अपने आप में साबित करता है कि समाजवादी पार्टी के एजेंडे से भाजपा भयभीत है और तभी उसका जवाब ढूंढने की कोशिश कर रही है। उसी सिलसिले में लोकसभा चुनाव के तत्काल बाद महाराजगंज से कई बार के सांसद पंकज चौधरी को प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया।

फैजाबाद के समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने मंत्रिमंडल विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भाजपा पीडीए से भयभीत है इसीलिए पीडीए को अपनी सरकार में स्थान दे रही है। वे स्वयं फैजाबाद से लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराकर सदन में उसे मुंह चिढ़ाते रहते हैं।

लेकिन क्या कटुता और हिंसा की भाजपाई राजनीति पीडीए और व्यापक समाज को अपनी तरफ खींच पाएगी और अगर कुछ समय के लिए खींच भी ले गई तो क्या वह उसे बांध कर रख पाएगी? इस बारे में बहुत गहरे संदेह हैं।

क्या पूर्वांचल का वह घाव भर पाएगा जो कुछ दिनों पहले गाजीपुर में लोहार जाति की एक नाबालिग लड़की के साथ हुए बलात्कार और उसकी हत्या के बाद पीडीए समाज को टीस रहा है? हंसराज विश्वकर्मा को मिली कैबिनेट बर्थ से वह शायद ही भरे क्योंकि समाज सिर्फ कैबिनेट में जगह नहीं चाहता वह सामाजिक सुरक्षा और सम्मान चाहता है। भाजपा इस बारे में यूजीसी रेगुलेशन में भी बेनकाब हुई है।

दरअसल पीडीए में पिछड़ा दलित ही नहीं अल्पसंख्यक भी हैं। उसे भाजपा कैसे सम्मान देगी? अगर वह 14 प्रतिशत आबादी को अपने मंत्रिमंडल में जगह नहीं देती तो सबका साथ और सबका विकास का नारा तो फर्जी साबित होता है।

अब पीडीए अभियान के प्रभाव में अगर भाजपा अल्पसंख्यक समाज को सम्मान देने लगी तब तो उसकी विचारधारा तो सिर के बल खड़ी हो जाएगी। इसलिए केशव प्रसाद मौर्य का यह कहना कि असली पीडीए हम ही हैं एक बेमानी वाला बयान है। या तो वे पीडीए का अर्थ ही नहीं समझते या फिर उसकी कार्बन कापी बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो आसानी से बनती नहीं और अगर बनती है तो मूल से अलग ही होगी या तो फर्जी होगी।

पीडीए का फार्मूला बहुत लचीला है। उसके भीतर 'ए' से सिर्फ अल्पसंख्यक ही नहीं औरतों को भी शामिल किया जा सकता है।

फाइल फोटो

भाजपा महिलाओं के नाम पर नारेबाजी खूब करती है और हिंसक प्रदर्शनों में उनका इस्तेमाल भी करती है लेकिन उन्हें वास्तविक सम्मान देने का विचार उनके दर्शन में है ही नहीं।

अगर होता तो अपनी विधायक अनुपमा जायसवाल को नारी शक्ति वंदन के विरोध प्रदर्शन में उतार कर जख्मी होने के लिए न झोंक देती। अनुपमा जायसवाल बहराइच से भाजपा विधायक हैं और महिला आरक्षण संशोधन विधेयक में लपेट कर लाए गए परिसीमन बिल के गिर जाने पर श्री अखिलेश यादव का पुतला फूंक रही थीं। उसी में उनका चेहरा झुलस गया।

यहां पर भाजपा के कटुता वाले पीडीए के जवाब में अखिलेश यादव ने करुणा वाले पीडीए का प्रदर्शन किया। उन्होंने लखनऊ के मेदांता अस्पताल जाकर अनुपमा की कुशल क्षेम पूछी और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अखिलेश के इस भाव की तारीफ उनके पति ने की और कहा कि उन्होंने मानवीय संवेदना और लोकतांत्रिक शिष्टाचार का प्रदर्शन किया। अस्पताल में बिस्तर पर लेटी अनुपमा जायसवाल और उनका कुशल क्षेम पूछते अखिलेश की फोटो देखकर हर किसी ने कहा कि वे वास्तव में राजनीतिक शिष्टाचार का पालन करने वाले राजनेता हैं।

वही शिष्टाचार जो उन्हें अपने पिता से विरासत में मिला है और उनके पिता को चौधरी चरण सिंह से विरासत में मिला था। यह बात बहुत कम लोग जानते होंगे कि चौधरी चरण सिंह ने 'शिष्टाचार' नाम से एक पुस्तक भी लिखी है जिसमें उन्होंने राजनीतिक कार्यकर्ताओं और नेताओं को बहुत जरूरी किस्म की सीख दी है।

फाइल फोटो

उसी भावना का प्रदर्शन करते हुए अखिलेश ने कहा "हम नहीं चाहते कि समाज के बीच आग जले, हम चाहते हैं कि समाज में सौहार्द की फुहार हो। हमारी सकारात्मक राजनीति की स्वस्थ परंपरा ने हमें यही सिखाया है"। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन मानवीय संबंध भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

भाजपा के लोग भले नारी वंदन का नारा लगाएं और दूसरे दलों को बदनाम करने के लिए प्रदर्शन करें लेकिन पश्चिम बंगाल में एक स्त्री यानी ममता बनर्जी को पराजित करने के लिए उन्होंने जिन अनैतिक हथकंडों का इस्तेमाल किया उससे कहीं से भी नहीं लगता कि वे हृदय से नारी वंदन करते हैं। नारी को या तो दासी और भोग की वस्तु बनाना और दूसरी ओर पूज्य बनाना यह पुरुषवादी पाखंड के ही हिस्से हैं। ऐसी ही राजनीति को डॉ राम मनोहर लोहिया ने चुनौती दी थी।

डॉ लोहिया का कहना था कि हमें सावित्री का आदर्श नहीं चाहिए हमें द्रौपदी का आदर्श चाहिए। हमें प्रश्नाकुल स्त्रियां चाहिए न कि पुरुषवादी एजेंडे पर नारा लगाने वाली महिलाएं। बंगाल में नारी स्वाभिमान को कुचल कर और उसकी जगह को छीनकर अगर भाजपा देश भर में नारी वंदन का दावा करती है तो इससे बड़ा पाखंड क्या हो सकता है।

वास्तव में पीडीए की करुणा ही सत्ता के अन्याय और सामाजिक अन्याय से लड़ सकती है। वही संविधान में दिए गए आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक न्याय की गारंटी है। इसी अभियान को देश में

फाइल फोटो

वास्तविक विपक्ष और वैकल्पिक राजनीति की चिंता है। तभी ममता बनर्जी से कोलकाता मिलने जाने का साहस अखिलेश यादव ने दिखाया और वहां जाकर कहा कि आप हारी नहीं हैं। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में हुई धांधली पर गंभीर सवाल भी उठाए।

भाजपा नारेबाजी और प्रतीकों की राजनीति करती है और वह वास्तव में उसमें ऊपरी बदलाव चाहती है न कि राजनीति और सामाजिक समीकरणों की अंतर्वस्तु को बदलना चाहती है। भाजपा का मूल उद्देश्य संविधान की मर्यादा और उसकी लोकतांत्रिक भावना को खत्म करना है। उसकी जगह पर संविधान की उद्देशिका में दिए गए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों को लागू करना नहीं चाहती।

जबकि समाजवादी पार्टी के पीडीए अभियान का उद्देश्य है संवैधानिक मूल्यों को बचाना, लोकतंत्र को बचाना और भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना। समाजवादी पार्टी जानती है कि यह काम आसान नहीं है। मौजूदा समय में भाजपा का फासीवादी बुलडोजर उन तमाम मूल्यों को नष्ट कर रहा है जो हमारे पूर्वजों और उनसे पीछे खड़े देश ने स्वाधीनता संग्राम के लंबे संघर्ष में गढ़ा था। गांधी और लोहिया के उसी लोकतांत्रिक संघर्ष को उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने जिंदा कर रखा है।

उसने इस वैचारिक कैनवास में डॉ भीमराव अंबेडकर को भी शामिल किया है। डॉ अंबेडकर को इस कैनवास में शामिल करके समाजवादी पार्टी ने उनके विचार को न सिर्फ नई प्रासंगिकता प्रदान की है बल्कि सार्थकता भी दी है। तब जबकि भाजपा डॉ अंबेडकर के विचारों को हिंदुत्व के ब्राह्मणवादी खांचे में फिट करने में लगी है और गांधी लोहिया के स्वाधीनता संग्राम के संघर्षों को विस्मृत करने लगी है तब समाजवादी पार्टी अपने पीडीए अभियान से इस देश को लोकतंत्र और एकता अखंडता को बांधने में लगी है।

समाजवादी पार्टी प्रदेश में तो बड़ी संभावना है ही लेकिन लोकसभा में तीसरे नंबर की सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण वह अपने राष्ट्रीय दायित्वों को भी समझती है। वह जिस शिद्दत के साथ इंडिया गठबंधन के दल तृणमूल कांग्रेस को थामे है उसी मजबूती के साथ द्रमुक को भी साधे है।

आशा नहीं विश्वास है कि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2029 के लोकसभा चुनावों तक समाजवादी पार्टी और उसका पीडीए अभियान प्रदेश और देश की राजनीति को नई दिशा देने वाला है।

अखिलेश ने महिला आरक्षण पर लोकसभा में भाजपा को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 16 अप्रैल को लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल पर बड़ी बेबाकी से तर्क सहित अपनी बात रखी और स्पष्ट तौर पर कहा कि समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण के पक्ष में है मगर भाजपाई चालबाजी के खिलाफ है।

उन्होंने साफतौर पर कहा कि भाजपा, देश की सबसे बड़ी आबादी यानी पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लेकर चुप्पी साधे बैठी है। समाजवादी पार्टी पिछड़े वर्ग की महिलाओं के साथ नाइंसाफी नहीं होने देगी।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के पीडीए में ए का मतलब आधी आबादी है। पीडीए की गिनती में पूरी की पूरी महिलाएं आती हैं। हमारा सवाल यह है कि सरकार को महिला आरक्षण के नाम पर इतनी जल्दीबाजी क्यों है? सच यह है कि भाजपा जनगणना अर्थात जातीय जनगणना को टालना चाहती है।

भाजपा जातीय जनगणना इसलिए टालना चाहती है क्योंकि उसके बाद आरक्षण का सवाल उठेगा। भाजपा और उनके संगी साथ कभी आरक्षण नहीं देना चाहते हैं। हमारे नेता डॉ. राममनोहर लोहिया, हमेशा जेंडर जस्टिस और सोशल जस्टिस के पक्ष में थे, हम भी उसी पक्ष में हैं।

सपा मुखिया ने कहा कि महिलाओं का आरक्षण 33 फीसदी हो, हम उसके पक्ष में

हैं। हमारी लड़ाई लगातार जारी है। यह आरक्षण हमारे पीडीए के आह्वान को और मजबूत कर रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नारी का नारा बनाने की कोशिश कर रही है। जिन्होंने नारी को अपने मातृ संगठन में नहीं रखा, वे उनका मान सम्मान कैसे रखेंगे। भाजपा बताए कि जिस मातृ संगठन से भाजपा निकली है, उसमें कितनी नारियां हैं। वहां महिलाओं का कितना मान सम्मान है।

लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल व अन्य बिलों पर बोलते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों की 21 राज्यों में सरकारें हैं। भाजपा ने कितनी महिला मुख्यमंत्री बनाई हैं? दिल्ली की सीएम तो हाफ मुख्यमंत्री हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री के पास क्या अधिकार हैं? एक मुख्यमंत्री के जो अधिकार होते हैं वह कहां हैं? खुद को सबसे बड़ी पार्टी का दावा करने वाली भाजपा बताए कि उसके देश भर के विधायकों में कितनी महिला विधायक हैं। क्या महिला विधायकों की संख्या दस फीसदी थी? लोकसभा में भाजपा की कितनी महिला सांसद हैं?

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया ने महिलाओं को पुरुषों की तरह हर क्षेत्र में भागीदारी देने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि संस्कार का आरम्भ महिला से होता है। अगर महिला जागृत है तो समाज जागृत हो जाता है। डॉ. राममनोहर लोहिया जी ने कहा था कि जब तक महिलाएं राजनीति में नहीं आएंगी, सामाजिक क्रांति अधूरी रहेगी। उन्होंने निरंतर राजनीति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया था। लोहिया जी ने कहा था कि समाज में वास्तविक परिवर्तन महिलाओं के योगदान से आ पाएगा। उत्तर प्रदेश में पंचायतों में महिलाओं के लिए सबसे पहले आरक्षण लागू करने का काम समाजवादी पार्टी ने किया था।

उन्होंने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण बिल को नए सिरे से लाई है। इस बिल के पीछे लक्ष्य वोट है। यह भाजपा की राजनीतिक चाल है। जब पुराने लोग समझ जाते हैं कि भाजपा किसी की सगी नहीं है तो वह कुछ नए लोगों को अपने जुमलों में फंसाती है। इस बार भाजपा महिलाओं को लेकर चाल चल रही है लेकिन सफल नहीं होगी क्योंकि आज सबसे ज्यादा दुःखी महिलाएं हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हर महिला अपने बच्चे को पढ़ाना चाहती है लेकिन भाजपा की शिक्षा विरोधी सोच स्कूलों को बंद करा रही है। महिलाओं का दर्द तो मेरठ के दुकानदार परिवारों की महिलाओं के आंखों में आंसू से समझा जा सकता है। नोएडा की कामकाजी महिलाएं अपने दर्द

को बयान कर रही है। नोएडा में 40 हजार से ज्यादा मजदूर आंदोलनरत है। मेरठ में महिलाएं धरने पर हैं।

श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी तो खुद को पिछड़े वर्ग का बताते थे लेकिन महिला आरक्षण में पिछड़े वर्ग की महिलाओं के अधिकार को लेकर क्यों चुप हैं? इस संशोधन के पीछे जो जल्दीबाजी है उसमें भाजपाइयों की मंशा जनगणना नहीं कराने की है क्योंकि अगर जनगणना होगी तो जातिवार आंकड़े देने होंगे। फिर आरक्षण देना होगा।

यह भाजपा का षडयंत्र है जिसमें जातिवार जनगणना को नकार कर पिछड़ों का अधिकार लूटा जा रहा है। यह लोकतंत्र के खिलाफ खुफिया लोगों की गुप्त सूचना है जो हम तब तक नहीं स्वीकार कर सकते जब तक इसके लागू करने की प्रक्रिया ठीक नहीं होगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पिछड़ों की कुल जनसंख्या 70 फीसदी है तो उनकी आधी-आबादी 3 3 फीसदी से ज्यादा पिछड़ी महिलाओं के हक की बात इस महिला आरक्षण बिल में है ही नहीं। इसका मतलब यह है कि यह सरकार पिछड़े वर्ग की 33 फीसदी से ज्यादा महिला आबादी का हक छीन रही है, उन्हें अधिकार नहीं देना चाहती है।

सरकार डिलिमिटेशन से चुनावी मैप को बदलना चाहती है। भाजपा पूरी रणनीति बनाकर अपने राजनीतिक लाभ के लिए लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन करना चाहती है। यह आसाम में भी देखा गया और जम्मू-कश्मीर में भी दिखाई दिया।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी चाहती है, पहले जनगणना हो जब जनगणना के सही आंकड़े आ जाएं, तब डीलिमटेशन हो। जब आंकड़े सही नहीं होंगे तो आरक्षण कैसे सही होगा क्योंकि आरक्षण का आधार ही जनसंख्या है। कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकार आधी आबादी में मुस्लिम महिलाओं को नहीं गिनती है। हमारी मांग है कि आधी आबादी में पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को जोड़कर आरक्षण दिया जाए।

महिला आरक्षण में हमारी मांग पहले जनगणना कराने की है। अगर सरकार ऐसा नहीं कर रही है तो इसका मतलब धोखा दे रही है। यह सरकार 2011 के जनगणना को आधार बना रही है

श्री यादव ने कहा कि डीलिमटेशन में यूपी की विधानसभा सीटें भी बढ़ेंगी। सीटें ज्यादा हो जाएंगी। कहीं कोई ऐसा षडयंत्र तो नहीं है जो सरकार महिला आरक्षण के बहाने छिपाकर आगे बढ़ रही है। यूपी में लोकसभा की सीटें 120 और विधानसभा की सीटें 600 होने जा रही है। अगर इसमें भाजपा को षडयंत्र होगा तो वह विधानसभा चुनाव वैसे ही हारेगी जैसे अयोध्या का लोकसभा चुनाव हारी है।

श्री यादव ने कहा कि अगर सीटें रिजर्व हो जाएंगी तो महिलाओं के बीच ही कम्पटीशन हो जाएगा। अगर आरक्षण देश का मामला पार्टी स्तर पर हो तो महिलाओं को ज्यादा मौका मिलेगा। भाजपा महिलाओं के साथ नहीं है, इसीलिए क्षेत्र आरक्षित करना चाहती है। हमारी मांग है कि आरक्षण पार्टी तय करें। पार्टियां महिलाओं को लड़ाएं और संख्या तय करें।

क्षेत्रों के रोटेशन के मुद्दे पर श्री यादव ने कहा कि चुनाव लड़ने वाले नेताओं का क्षेत्र से भावनात्मक रिश्ता हो जाता है। अगर रोटेशन रहेगा तो नेता का क्षेत्र की जनता से भावनात्मक लगाव नहीं रहेगा, अगले क्षेत्र की तलाश में लग जाएगा। समाजवादी पार्टी क्षेत्रों के रोटेशन के खिलाफ है।

महिला आरक्षण में हमारी मांग पहले जनगणना कराने की है। अगर सरकार ऐसा नहीं कर रही है तो इसका मतलब धोखा दे रही है। यह सरकार 2011 के जनगणना को आधार बना रही है, इसका मतलब है इनके पास कोई गुप्त नक्शा है जिसे ये लोग बिल पास होते ही लागू करेंगे। इस बिल में सुधारों पर कोई बात नहीं हो रही है।

बिल पास न होना भाजपा की बदनीयती की हार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता के बढ़ते विरोध और आक्रोश से ध्यान हटाने के लिए साज़िशन लाए गए 'तथाकथित महिला आरक्षण बिल' की हार भाजपा की हार है। ये भाजपा की बदनीयती की भी हार है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा में परिसीमन बिल पास नहीं होना भाजपा सरकार की बदनीयती की हार हुई हैं। परिसीमन बिल का गिरना लोकतंत्र की जीत है। हार का सीधा मतलब होता है कि सरकार जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपाई राजनीति का आधार हमेशा दरारवादी रहा है। भाजपा लोगों बांटकर अविश्वास पैदा करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कि साजिश है कि अगर जातीय जनगणना हुई तो देश आरक्षण मांगेगा, भाजपा उससे बचना चाहती है। जब गिनती ही गलत होगी तो आरक्षण कैसे सही होगा? देश में आरक्षण के साथ महिलाओं को संरक्षण की भी जरूरत है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का हर प्रयास, हर बिल या तो कुछ लोगों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए होता है या समाज को बांटने का छल-छलावा होता है। इस बार भाजपा इस बिल के माध्यम से महिलाओं की एकता में दरार डालकर उनको ठगना चाहती थी लेकिन विपक्ष की एकता ने भाजपाई मंसूबों को धूल चटा दी।

ये भाजपा के ख़िलाफ़ देश की सक्रिय हो चुकी जन चेतना की जीत है जिसका प्रतिनिधित्व देश का विपक्ष कर रहा है। भाजपा ने सरकार में बने रहने का नैतिक आधार खो दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा महिलाओं की हिमायती कहां से हो सकती है जबकि उसकी सोच घोर पुरातन पंथी है। भाजपा उस बिल में और चीजों को छुपाकर ला रही थी। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 'नैतिक रूप' से भाजपा ने सरकार में बने रहने का आधार खो दिया है। संसद में जो सरकार हार जाती है, वह बाहर जाती है। जनता को विश्वास हो गया है कि 'बुरे दिन जाने वाले हैं।"

महिलाओं के खिलाफ गहरी साजिश

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने 17 अप्रैल को लोकसभा में बोलते हुए साफतौर पर कहा कि सत्ता पक्ष जिस तरह की भूमिका बना रहा है उससे लगता है विपक्ष महिला आरक्षण के साथ नही है। जब 2013 में नारी वंदन अधिनियम पास हुआ था तो सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने मिलकर सर्व सहमति से उसे पास किया था।

उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रांति फैला रही है। भाजपा सरकार महिला आरक्षण से सम्बन्धित जो संशोधन लाई है उसके पीछे सरकार की मंशा क्या है? क्या सरकार महिलाओं का वाकई सशक्तिकरण चाहती है या इस विधेयक को लाकर खुद के सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है।

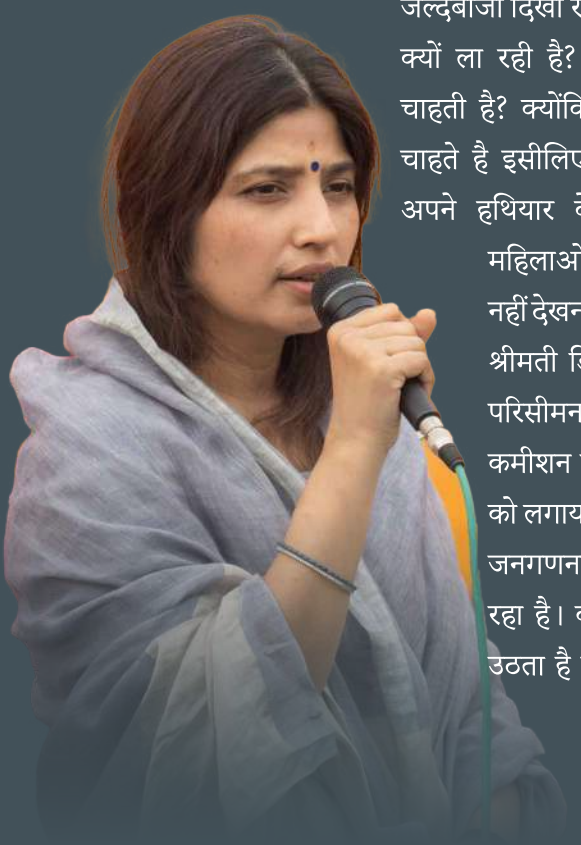

श्रीमती डिंपल यादव ने महिला आरक्षण बिल पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का पक्ष रहा है कि पहले जनगणना हो फिर परिसीमन व्यवस्था लागू हो। फिर आरक्षण लागू हो। इस पर सभी सहमत हैं। गृहमंत्री ने भी कहा था कि वे जनगणना कराएंगे। भाजपा की सरकार ने 2024 से ही जनगणना क्यों नहीं शुरू की? ढाई साल निकाल दिए। क्यों अब सरकार जल्दबाजी दिखा रही है? संविधान संशोधन क्यों ला रही है? संविधान क्यों बदलना चाहती है? क्योंकि ये सत्ता में बने रहना चाहते है इसीलिए परिसीमन प्रक्रिया को अपने हथियार के रूप में प्रयोग कर महिलाओं को 2029 में संसद में नहीं देखना चाहते हैं।

श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि परिसीमन के काम में डिलिमिटेशन कमीशन की जगह चुनाव आयोग को लगाया गया है और 2011 की जनगणना को आधार बनाया जा रहा है। कहीं न कहीं ये प्रश्नचिह्न उठता है कि ये क्यों चाहते हैं कि संविधान कमजोर हो।

श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने यूपी में होली दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वायदा भी इन्होंने पूरा नहीं किया। आवारा पशुओं से बचाव की बात कर रहे थे लेकिन इनका एक भी वायदा पूरा नहीं हुआ।

नोटबंदी से भ्रष्टाचार, आतंकवाद खत्म करने का वायदा किया था बल्कि भ्रष्टाचार और आतंकवादी की घटनाए सबसे ज्यादा भाजपा की सरकार में हुई है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है।

श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा को सत्ता का मोह हो गया है। भाजपा गरीबों, पिछड़ों को उनका हक और सम्मान नहीं देना चाहती हैं। भाजपा आधी आबादी एसएसी-एसटी महिलाओं, अल्पसंख्यक और ओबीसी महिलाओं को भी आरक्षण क्यों नहीं दे रही है। हर धर्म और हर वर्ग की महिलाएं आगे बढ़ें, आरक्षण संशोधन बिल में महिलाओं के साथ अन्याय न हो। श्रीमती यादव ने कहा कि जातीय जनगणना से ही सबको सम्मान और अधिकार मिलेगा।

सपा विधायकों ने भाजपा के खिलाफ अति निंदा प्रस्ताव पास किया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में 29 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की उपस्थिति में समाजवादी पार्टी विधायक दल की बैठक ने खुद को सदन में परिवर्तित करते हुए महिला आरक्षण पर 30 अप्रैल को आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र में प्रस्तावित निंदा प्रस्ताव के विरोध में 'अति निंदा प्रस्ताव' बहुमत से पारित किया।

महिला विधायकों ने एक स्वर में अति निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया। नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय ने जो पूर्व स्पीकर भी रहे चुके हैं, स्पीकर की वही भूमिका निभाते हुए 'अति निंदा प्रस्ताव' पर विधायकों की राय जानने के बाद हां के पक्ष में बहुमत घोषित करते हुए 'अति निंदा प्रस्ताव' को पारित घोषित कर दिया।

'अति निंदा प्रस्ताव' पर गीता पासी ने सर्वप्रथम चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि हम इस 'अति निंदा प्रस्ताव' द्वारा केंद्र की भाजपा व उनकी सहयोगी दलों की घोर निंदा करते हैं जो कि महिला आरक्षण का ढोंग करती हैं। जिनका मंसूबा इस बिल के बहाने निर्वाचन क्षेत्रों का मनचाहा परिसीमन करके चुनाव जीतना था, न कि सच में महिलाओं को उनके हक़ अधिकार देकर उनका सशक्तिकरण या सबलीकरण करना।

विधायक पिंकी यादव ने कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा महिला आरक्षण को लेकर झूठ फैला रही है कि ये बिल विपक्ष ने पास नहीं होने दिया, जबकि ये बिल सभी दलों ने मिलकर पास किया था और जो बिल पास नहीं हो सका वो

दरअसल परिसीमन बिल था।

प्रस्ताव में विधायक सैय्यदा खातून का कहना था कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा ने महिला आरक्षण में पिछड़ी व अल्पसंख्यक महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न पर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं किया है।

प्रस्ताव में विधायक इंद्राणी वर्मा ने कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा और उनके संगी-साथी 'जिसकी शक्ति, उसके अधिकार' की रूढ़िवादी सोच के लोग हैं, इसीलिए सामाजिक क्षेत्र तक में ये शोषित, दमित, वंचित, पीड़ित के साथ-साथ महिलाओं को भी हमेशा हेय दृष्टि से देखते हैं।

प्रस्ताव में विधायक रेखा वर्मा ने कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपाइयों की पुरुषवादी सामंती सोच आज भी नारी को मान, सम्मान या अभिव्यक्ति की आज़ादी नहीं देना चाहती है।

विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने जोरदार शब्दों में प्रस्ताव पर कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपाइयों की यही पुरुषवादी घिसीपिटी पुरानी सोच 'आधी आबादी' अर्थात महिलाओं का मान नहीं करती है बल्कि बालिका, युवती या नारी के रूप में, जब भी वे कुछ कहना-करना चाहती हैं तो भाजपाई और उनके संगी-साथी सदैव वह मौका ढूंढते हैं, जब वे स्त्रियों का पारिवारिक, सामाजिक, सार्वजनिक अपमान कर सकें और उनके चरित्र तक पर कीचड़ उछालकर उनका मानसिक उत्पीड़न करके, नारी के विरोध करने की शक्ति के मनोबल को तोड़ सकें।

प्रस्ताव में विधायक मारिया शाह ने कहा हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपाइयों ने सदैव नारी के प्रति अपराध करनेवालों को माला पहनाकर स्वागत किया है।

प्रस्ताव में विधायक नसीम सोलंकी का मत था कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि 'नारी वंदन' का ढोंग रचनेवाली भाजपाई सोच वस्तुतः नारी विरोधी है।

प्रस्ताव में विधायक मनोज पारस ने कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा उस वातावरण को बनने नहीं देना चाहती, जहां नारी-पुरुष की समानता व समकक्षता की बात हो।

प्रस्ताव में विधायक ऊषा वर्मा का कहना था कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा नारी के विरुद्ध नारी को खड़ा करके, नारी एकता को तोड़ रही है।

प्रस्ताव में विधायक आरके वर्मा ने कहा हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा चुनाव के समय नारी को प्रतिनिधित्व करने का सबसे कम अवसर देती है।

प्रस्ताव में विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा और उनके संगी-साथी अपने संगठनों में नारी को कभी भी उचित मान-सम्मान-स्थान नहीं देते हैं।

प्रस्ताव में विधायक पंकज मलिक ने कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा और उनके संगी-साथी नारी के लिए कार्य स्थलों में जानबूझकर नकारात्मक माहौल बनाए रखना चाहते हैं जिससे वे घरों की दहलीज़ से बाहर न आ सकें।

प्रस्ताव में विधायक शाहिद मंजूर का मत था कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा और उनके संगी-साथी व उनके कुछ प्रवचनजीवी तथाकथित ज्ञानी लोग मंचों से नारी की स्वतंत्रता के हनन की बात करते हैं और केवल नारी के विचार-विचरण-परिधान पर नसीहतें देते हैं।

विधायक मुकेश वर्मा का कहना था कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा और उनके संगी-साथी अधिक बच्चों को जन्म देने की बात करके नारी के विरुध्द षड्यंत्र रचते हैं क्योंकि इससे नारी शारीरिक रूप से कमज़ोर होती है और घर की चहारदीवारी तक सीमित हो जाती है।

प्रस्ताव में विधायक संग्राम यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम इस बात की भी घोर निंदा करते हैं कि भाजपा 'नारी को नारा' बनाना चाहती है, जिससे सच में उन्हें अधिकार न देकर केवल दिखावटी सहानुभूति का नाटक रचा जा सके।

सीमा राजभर महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रुक्मिणी देवी प्रदेश अध्यक्ष

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बलिया की सीमा राजभर को समाजवादी महिला सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद स्व फूलन देवी की बहन श्रीमती रुक्मिणी देवी निषाद को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री अखिलेश यादव ने दोनों नेताओं को बधाई दी।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर एक समारोह में 21 अप्रैल को समाजवादी महिला सभा की तत्कालीन अध्यक्ष जूही सिंह ने सीमा राजभर की नियुक्ति का प्रस्ताव रखा जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सहर्ष स्वीकार करते हुए सीमा राजभर को महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की।

सीमा राजभर बलिया के खेजुरी क्षेत्र की रहने वाली हैं। वह लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं और पहले सुभासपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी रह चुकी हैं।

इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद स्व फूलन देवी की बहन रुक्मिणी देवी निषाद को समाजवादी महिला सभा का उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था। रुक्मिणी देवी निषाद जालौन के शेखपुर गुड्ढा पुरवा गांव की रहने वाली हैं। वह 6 अक्टूबर 2019 को सपा में शामिल हुईं थीं और पहले प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहीं थीं। 2022 के विधानसभा चुनाव व 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने पार्टी के लिए सक्रिय भूमिका निभाई।

किसानों के हितों की रक्षा करेगी सपा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 25 अप्रैल को गाजियाबाद में आयोजित *किसान क्यों पीड़ित-क्यों परेशान* विषय पर आयोजित विजन इंडिया कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये विचार व्यक्त किए। उन्होंने किसानों खासतौर पर उत्तर प्रदेश के किसानों की परेशानियों पर चिंता जाहिर की और समाजवादी सरकार में किसानों के हितों के लिए समाजवादी पार्टी के प्रस्तावित नीतियों-कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे।

श्री यादव ने स्पष्ट तौर पर कहा कि समाजवादी सरकार में ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि 24 घंटे के भीतर ही गन्ना किसानों को भुगतान हो जाएगा और रकम सीधे उनके खाते में जाया करेगी। उन्होंने और भी तमाम सुविधाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में स्मार्ट गांव बनाए जाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज किसान संकट में है। भाजपा सरकार ने किसानों के तमाम तरह की परेशानियों का सामना कर रहा है। श्री अखिलेश यादव ने अपने विजन को रखते हुए कहा कि जब खेत मुस्कुराएगा तो देश मुस्कुराएगा। उन्होंने कहा कि बुरे दिन जाने वाले हैं। जब किसान की फसल अच्छी होगी तो देश की अर्थव्यवस्था अच्छी होगी।

श्री यादव ने कहा कि किसान पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। फसल बीमा को लेकर किसान जो लोन लेता है, उस पर भी संकट है। किसान को पेस्टीसाइड, बीज, खाद, डीजल सब महंगा खरीदना पड़ रहा है। इसके कारण खेती अलाभकारी हो गई है।

उन्होंने कहा कि किसान के लिए जिस तरह का आधारभूत ढ़ांचा होना चाहिए, वह नहीं है। इधर अमेरिका से डील के बाद बड़े पैमाने पर कृषि उत्पाद भारत आ रहे हैं अगर जानवरों का चारा और कृषि उत्पाद बाहर से आएगा तो हमारे देश का किसान संकट में चला जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। अगर नींव ही

हिल जाएगी तो अर्थव्यवस्था और उससे जुड़ा खुशहाली का आंकड़ा बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्गेनिक फार्मिंग बढ़ाने, केमिकल का प्रयोग घटाने और किसानों को सब्सिडी पर बीज उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सीड टेस्टिंग लैब हो, क्वालिटी चेक हो। उन्होंने कहा कि किसानों के सामने बिजली का संकट है। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में बिजली का कोई कारखाना नहीं लगाया। आज प्रदेश में बिजली उत्पादन के जितने भी कारखाने दिखाई दे रहें सब समाजवादी सरकार में बनाए गए हैं। हरदुआगंज, पनकी, निवेली लिग्नाइट, घाटमपुर, झांसी, अंबेडकरनगर टांडा और जो अन्य एनटीपीसी के कारखाने हैं वे सब समाजवादी पार्टी की सरकार में बने हैं।

सरकार जनता और बिजली उपभोक्ताओं को लूट रही है। स्मार्ट मीटर से जनता का बहुत नुकसान हुआ जिस वजह से जनता सरकार के स्मार्ट मीटर फेंकने लगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में हमने सोलर गांव बनाया था। उसका उद्घाटन देश के राष्ट्रपति रहे डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने किया था। उस गांव में हर कार्य के लिए बिजली फ्री थी, भविष्य में समाजवादी सरकार में इसी तरह के गांव बनाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कहम लोग किसानों को सब्सिडी देने का काम करेंगे। फसल नुकसान की पूरी भरपाई होगी। समाजवादी पार्टी की सरकार में किसान दुर्घटना बीमा के माध्यम से किसानों की मदद होती थी। फ्री सिंचाई का इंतजाम किया था, भविष्य में समाजवादी सरकार में 23 फसलों के साथ दूध को भी शामिल करके एमएसपी देने का काम करेंगे। स्टोरेज सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। इंसेटिव योजना को बढ़ावा देंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इधर हर क्षेत्र में तकनीक का प्रयोग बढ़ा है। हम किसानों को तकनीक से जोड़कर मदद करेंगे। समाजवादी सरकार किसानों के लिए आधारभूत ढांचा बढ़ाने के लिए एक्सप्रेस-वे के माध्यम से शहरों को जोड़ने के साथ मंडियां बना रही थी। कन्नौज में आलू के लिए विशिष्ट मंडी बन रही थी। उसमें कॉमन फैसिलिटी सेंटर बना रहे थे। जिससे किसान यदि कोई उत्पादन बनाना चाहता था, वह भी बना सके लेकिन भाजपा सरकार ने मंडी का काम रोक दिया।

इसी तरह से इटावा-मैनपुरी के बीच फल और सब्जी की मंडी बनाई जा रही थी। हम किसान बाजार बना रहे थे। भाजपा सरकार ने समाजवादी पार्टी की सरकार में बनाए गए किसान बाजार को बेच दिया। अब वहां कैफे बन गया है। सरकार ने किसान होटल भी बेच दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने तय किया है कि सरकार बनने के बाद किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान 24 घंटे के अंदर कर दिया जाएगा। अब किसानों को इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उसके लिए 15 हजार करोड़ रुपये का किसान रिवाल्विंग फंड बनाया जाएगा। किसान की पर्ची कटते ही उसके खाते में पैसा आ जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि जो किसान लोन लेते हैं, उनके लिए एग्रीकल्चर डेबट रिलीफ एक्ट बनाकर रास्ता निकालेंगे कि कैसे लोन माफ हो? समाजवादी सरकार की किसानों के हितों के लिए प्रतिबद्धता रहती है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन एवं प्रो. सुधीर पंवार भी मौजूद रहे।

विजन इंडिया

रचनात्मकता का अभिनव प्रयास

फाइल फोटो

राजेन्द्र चौधरी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के प्लान, डेवलेपमेंट एंड एसेंट के मंत्र की परिकल्पना पर आधारित विजन इंडिया समिट का आयोजन निश्चित ही एक अभिनव प्रयास है जिसके माध्यम से विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर परिवर्तनकारी रचनात्मक विचारों एवं पहलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बंगलुरू में 16 नवंबर 2025, हैदराबाद में 13 दिसंबर 2025, भुवनेश्वर में 17 जनवरी 2026 मुंबई में 15 मार्च 2026 और 11 अप्रैल 2026 को जयपुर में विजन इंडिया समिट में जिस तरह बुद्धिजीवियों, मीडिया विशेषज्ञों और युवाओं के साथ उद्यमियों ने सक्रिय रूप से शिरकत की, वह इसकी सार्थकता को दर्शाता है।

विजन इंडिया समिट की शुरुआत बेंगलुरु से हुई जो मुख्य रूप से स्टार्टअप्स और युवाओं पर केंद्रित था। श्री अखिलेश यादव के इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और स्टार्टअप

समुदाय से जुड़ना था जिससे प्रगतिशील न्यू इंडिया का रोडमैप तैयार हो सके जो न्याय, समानता और तकनीक पर आधारित हो।

विजन इंडिया अभियान समाजवादी पार्टी के PDA नारे के नए स्वरूप में Plan (योजना), Develop (विकास) और Ascent (प्रगति) पर आधारित रहा। बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने स्टार्टअप्स को समस्याओं का समाधान बताया और कहा कि उत्तर प्रदेश की चुनौतियों को स्टार्टअप्स के जरिए हल किया जा सकता है। उन्होंने भाजपा की विभाजन की दृष्टि (vision of division) के मुकाबले समाजवादी "विजन की राजनीति" को पेश किया।

स्टार्टअप्स के अपार अवसरों पर प्रकाश डालते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश की विशाल जनसंख्या और अनेक चुनौतियां नवाचार के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा, "हर समाधान एक स्टार्टअप है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहाँ दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है, अपार संभावनाएँ मौजूद हैं, जिन्हें हमें प्रगति के लिए उपयोग करना चाहिए।"

उनका यह कथन भी महत्वपूर्ण है कि "तकनीक मानव जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम हैं। हर स्टार्टअप इसी उद्देश्य का विस्तार है, जो सकारात्मक, व्यावहारिक और प्रगतिशील बदलाव लाने का प्रयास करता है।" उन्होंने स्टार्टअप्स को केवल लाभ कमाने का माध्यम न मानते हुए उनके सामाजिक उद्देश्य पर भी जोर दिया, और कहा कि ये वित्तीय सफलता के साथ-साथ सामाजिक प्रभाव को भी संतुलित करते हैं तथा समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

हैदराबाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ हैं और उसे रोकना ही उनका उद्देश्य है। वे सकारात्मक, विकासोन्मुख और प्रगतिशील राजनीति ही करेंगे।

श्री यादव ने कहा कि किसानों, बुनियादी ढांचे, शहरीकरण, शहरों में बेहतर सुविधाएं, ट्रैफिक समस्या के समाधान, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में एआई तकनीक का प्रभावी उपयोग आवश्यक है। अपराध नियंत्रण में भी एआई तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए।

श्री यादव ने बताया कि कैसे AI किसानों के लिए मिट्टी की जांच और सैटेलाइट इमेजिंग के माध्यम से मददगार साबित हो सकता है। साथ ही मेडिकल क्षेत्र में भी इसके महत्व पर जोर दिया।

श्री यादव ने तकनीक तक सबकी पहुंच करने और 'डिजिटल डिवाइड' को कम करने पर

फाइल फोटो

फाइल फोटो

बल देते हुए एक ठोस राष्ट्रीय नीति की आवश्यकता बताई।

तीसरा आयोजन ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 'होलिस्टिक हेल्थ समिट' पर केंद्रित था। भुवनेश्वर सम्मेलन का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा को केवल रोगों के उपचार तक सीमित न रखकर शारीरिक फिटनेस, मानसिक कल्याण, और सामाजिक स्थितियों के समावेशी विकास पर चर्चा करना था।

श्री यादव ने भारत में स्वास्थ्य और वेलनेस के समग्र दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि देश की बढ़ती जनसंख्या और उससे जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए व्यापक सोच आवश्यक है।

श्री यादव ने कहा "हमने आज के विषय के रूप में 'स्वास्थ्य' नहीं, बल्कि 'समग्र स्वास्थ्य' चुना है क्योंकि आज लोग केवल बीमारी के इलाज से आगे बढ़कर संपूर्ण कल्याण और स्वस्थ जीवनशैली की तलाश कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा "समग्र स्वास्थ्य का अर्थ है शरीर, मन और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना, यही पूर्ण स्वास्थ्य और वेलनेस की परिभाषा है।"

उन्होंने कहा "हमारा पर्यावरण, जिसमें घर, कार्यस्थल, सामाजिक परिवेश और प्राकृतिक वातावरण शामिल हैं। हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। इसलिए एक सकारात्मक और सहयोगी वातावरण का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।"

श्री यादव ने यह भी कहा कि समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने से चिकित्सा सेवाओं पर दबाव कम किया जा सकता है और एक स्वस्थ जनसंख्या देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। श्री यादव ने "हेल्दी इंडिया" नारा देकर कहा कि यह केवल एक नारा नहीं बल्कि एक मिशन होना चाहिए।

भुवनेश्वर दौरे के दौरान श्री अखिलेश यादव ने बीजेडी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से उनके निवास 'नवीन निवास' पर मुलाकात किया।

श्री अखिलेश यादव मुंबई में आयोजित चौथे सम्मेलन में शामिल हुए जिसका मुख्य विषय 'क्रिएटिव इकोनॉमी' (Creative Economy) था। यहां श्री यादव ने 'क्रिएटिविटी, पॉजिटिविटी और इक्वलिटी' (Creativity, Positivity, Equality) योजना, विकास और उत्कर्ष पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो इंसानियत और दुनिया को बेहतर बनाए, वही सच्ची रचनात्मकता है।

श्री अखिलेश यादव ने बढ़ती युवा आबादी और उससे जुड़े व्यापक सामाजिक आर्थिक अवसरों को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक अर्थव्यवस्था के निरंतर विकसित होते स्वरूप पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। पारंपरिक कलाओं को अत्याधुनिक डिजिटल नवाचार के साथ जोड़कर भारत अपनी रचनात्मक संपदा को

फाइल फोटो

वैश्विक प्रभाव और रोजगार सृजन के एक स्थायी माध्यम में बदल सकता है।

श्री यादव ने कहा "हर नए सुधार, नीति और योजना के पीछे रचनात्मकता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी सच्ची और अच्छी सरकार का लक्ष्य या तो पहले से मौजूद व्यवस्था को बेहतर बनाना होता है या फिर व्यापक जनसमूह की किसी समस्या का समाधान करना होता है।" उन्होंने कहा छोटे छोटे सुधारों के लिए भी एक नए और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। "रचनात्मक अर्थव्यवस्था किसी व्यक्ति की जन्म या जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करती।"

विजन इंडिया के मुंबई कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख सहित फिल्म जगत के कई सितारे, विशेषज्ञ और युवा उद्यमी शामिल हुए।

पांचवां सम्मेलन जयपुर में आयोजित हुआ जिसका मुख्य विषय 'हारमोनियस हेरिटेज समिट' (Harmonious Heritage Summit) था इसमें बुद्धिजीवियों, सांस्कृतिक इतिहासकारों और युवा नेताओं के विविध समूह ने साझा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उत्थान के मार्ग पर विचार-विमर्श किया।

श्री अखिलेश यादव ने देश के कुशल युवाओं और उससे जुड़े विशाल सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं के संदर्भ में भारत की हॉर्मोनियस हेरिटेज की निरंतर विकसित होती प्रकृति पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने जोर दिया कि प्राचीन परंपरागत ज्ञान के साथ नवाचार को मिलाकर भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता को सामाजिक समरसता और वैश्विक प्रभाव के एक सतत इंजन में बदल सकता है।

श्री यादव ने कहा, जयपुर को पिंक सिटी के नाम से जाना जाता है और गुलाबी रंग वास्तव में समरसता का रंग है. आखिरकार यह लाल और सफेद के पूर्ण मिश्रण से जन्म लेता है। केवल नाम ही नहीं बल्कि शहर की कला, वास्तुकला, संगीत और भोजन सभी गहरी जड़ें जमाए बहुसांस्कृतिक समरसता को दर्शाते हैं।"

उन्होंने कहा कि "समरसता शांति और सुकून को बढ़ावा देती है, जो आगे चलकर प्रगति और समृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण बनाती है। वास्तविक प्रगति और समृद्धि यह सुनिश्चित करती है कि सभी को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें जिससे भेदभाव समाप्त होता है। यह उत्पीडक और उत्पीड़ित, या पीड़ित और उत्पीड़क के बीच की खाई को समाप्त करता है। मूल रूप से, यह असमानताओं को मिटाता है और सामाजिक न्याय पर आधारित राज्य की स्थापना की ओर ले जाता है, और यही हमारा अंतिम लक्ष्य है।"

जयपुर सम्मेलन में श्री अखिलेश यादव ने "सामंजस्य से सौहार्द, सौहार्द से अमन-चैन और अमन-चैन से तरक्की" का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब समाज में भाईचारा और समानता होगी तभी विकास संभव है। विरासत केवल स्मारकों को बचाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एकता और साझा पहचान की भावना को संजोने के बारे में है। श्री अखिलेश यादव ने दोहराया कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में सांप्रदायिकता का मुकाबला PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय एकजुट होकर करेगा।

(लेखक पूर्व कैबिनेट मंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव हैं)

ममता दीदी से मिले अखिलेश, समर्थन दिया

बुलेटिन ब्यूरो

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की साजिश का शिकार बनीं निवर्तमान मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी को भाजपा के खिलाफ समर्थन व लड़ाई में ताकत देने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 7 मई को कोलकाता पहुंचकर सुश्री ममता बनर्जी से मुलाकात की।

मुलाकात के बाद श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने बंगाल में लोकतंत्र को तहस-नहस कर दिया है। भाजपा ने लोकतंत्र को बहुत नुकसान पहुंचाया है। ममता दीदी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है इसीलिए वह भाजपा की आखों में खटकती हैं। भाजपा सामंती सोच की पार्टी हैं, इनके संघी-साथी पुरूषवादी लोग हैं।

ये कभी नारी को बढ़ते हुए नहीं देख सकते। भाजपा महिला विरोधी है। भाजपा में महिलाओं का सम्मान नहीं है। राजस्थान में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री को महिला होने के कारण मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया।

चुनाव परिणाम के बाद श्री अखिलेश यादव सुश्री ममता बनर्जी के कोलकाता आवास पर मुलाकात के लिए पहुंचे। श्री अखिलेश यादव ने शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया और कहा कि आप हारी नहीं हैं। इस अवसर पर टीएमसी सांसद श्री अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को बचाना हमारा धर्म है। देश में निष्पक्ष चुनाव नहीं हो रहे हैं। चुनाव आयोग निष्पक्ष नही है। बंगाल के चुनाव में

जो कुछ हुआ वह सच छिपा नहीं हैं। बंगाल में भाजपा ने वोटरों पर दबाव बनाया। उन्होंने आह्वान किया कि लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए सभी लोग साथ आएं। इस लड़ाई में हम ममता दीदी के साथ हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जो-जो किया है, उसका ट्रायल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में किया था।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा बंगाल में नफरत भरी और जहर घुली राजनीति कर रही है। भाजपा नेताओं के भाषण और बयान नफरत से भरे हुए हैं। चुनाव में मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया की तरह काम हुआ है।

पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव के समय लोगों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग और केन्द्रीय गृह मंत्री की हैं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर काम कर रहा है। एसआईआर और उसके बाद टारगेट कर वोट काटा गया। भाजपा ने लोकतंत्र को लूटा है।

कोलकाता से वापसी के बाद 9 मई को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 9 मई को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सबको साथ लेकर लोकसभा चुनाव में भाजपा को EVM से हराया है। समाजवादी पार्टी फिर भाजपा को EVM से हराकर EVM को हटाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि साल लगे या सदी हम EVM को हटाकर रहेंगे।

गौरतलब है कि श्री अखिलेश यादव संसद से लेकर सड़क तक EVM हटाकर बैलेट से चुनाव कराने को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। संसद में वह यहां तक कह चुके हैं कि अगर लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी यूपी में 80 सीटें भी जीत जाती तो भी EVM को हटाने की मांग पर डटी रहती।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सबको साथ लेकर पीडीए की ताकत से लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया है। अब विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को हराएगी।

अखिलेश ने किया मेधा का सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जैसा दूसरा कोई राजनेता नहीं है जो समाज के सभी तबकों के साथ बिना किसी भेदभाव के, मजबूती से खड़ा रहे। किसी का सम्मान करने में वह जाति, धर्म नहीं देखते।

बीते दिनों हाईस्कूल व इंटरीमीडिएट के परिणाम आने के बाद श्री अखिलेश यादव ने टापर्स छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाने के लिए उन्हें लैपटाप, आई पैड देकर सम्मानित किया और उनकी हौसला अफजाई की।

मेधा का सम्मान करने में उन्होंने न जाति देखी और न धर्म। सभी को एक समान भाव से आमंत्रित किया। टापर्स को कामयाबी के लिए शाबाशी दी। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री यादव ने मेधा को सम्मानित करते हुए ऐलान किया है कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने पर केजी से लेकर पीजी तक मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था होगी।

27 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने हाईस्कूल एवं इंटर बोर्ड परीक्षा की सभी टॉपर छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी मेहनत से अपने स्कूल, घर, परिवार का नाम रोशन किया। परिवार को सम्मान दिलाने का काम किया।

श्री अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री श्री नरेन्द्र वर्मा की उपस्थिति में सुश्री अंशिका वर्मा एवं कशिश वर्मा को हाईस्कूल तथा इंटर बोर्ड की परीक्षा में टॉपर शिखा वर्मा को आई पैड भेंट किए।

3 मई को आयोजित कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ के मलिहाबाद की कक्षा 12 की छात्रा उन्जिला फातिमा को बोर्ड परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक हासिल करने पर लैपटाप दिया। क्राइस्ट चर्च कालेज लखनऊ की इंटर में आईएससी बोर्ड

परीक्षा में 98.75 प्रतिशत अंक पाने पर दिव्यांग छात्रा सारा मोईन को भी श्री अखिलेश यादव ने लैपटाप दिया। उनके शिक्षक को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में श्री यादव ने कहा कि डिजिटल डिवाइड खत्म करने के लिए लैपटाप दिया गया है। उन्होंने नौजवानों की इस सफलता के पीछे उनके शिक्षकों एवं परिवारीजनों के परिश्रम को भी याद किया तथा उन्हें बधाई दी। बच्चों से उन्होंने कहा कि वे परीक्षाओं की इन सफलताओं से आगे भी बढें और दूसरों को भी अपने ज्ञान का लाभ दें।

समारोह में पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता ही सब कुछ नहीं, जीवन में दूसरों के काम आने को सार्थक होना मानते हैं। शिक्षक संस्कार देते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से शिक्षा को प्राथमिकता देती रही है।

मेरठ के सरधना क्षेत्र से विधायक अतुल प्रधान के सौजन्य से जिला मेरठ के टॉपर हाईस्कूल के 13 और इंटरमीडिएट के 12 छात्र-छात्राओं को भी श्री अखिलेश यादव ने लैपटॉप दिया।

इंटरमीडिएट परीक्षा के टॉपर छात्र-छात्राओं में अंशिका उपाध्याय, जमारूद, सपना, पायल, किंजल, आंचल, निकिता, दिव्यांशी शर्मा, महेश, हर्ष, सोफिया और अमन तथा हाईस्कूल के टॉपर अदीबा, दक्षा, तृप्ती, आयुष, रिद्धि तिवारी पुत्री डा. भुवन तिवारी, याकुल, तानिया सिंह, आर्यन, चीनू, अनन्या मिश्रा, दिव्या सेठी, निशांत तथा मानवीय को भी लैपटाप देकर सम्मानित किया गया।

लखनऊ की अनन्या यादव को राजनीतिक विज्ञान में 100 में 100 नम्बर पाने के लिए और सीतापुर की अंकिता यादव को इंटर में प्रदेश में 5वां स्थान पाने पर लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सर्वश्री मोहिबुल्ला नदवी सांसद, राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप, विधायक रविदास मेहरोत्रा, प्रभु नारायण विधायक, पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, जावेद आब्दी पूर्व मंत्री, उदयवीर सिंह, रामबृक्ष सिंह व पूजा शुक्ला उपस्थित रहे।

समारोह में पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता ही सब कुछ नहीं, जीवन में दूसरों के काम आने को सार्थक होना मानते हैं। शिक्षक संस्कार देते हैं

5 मई को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने प्रतापगढ़ जनपद के हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में टापर छात्रों सत्यम यादव एवं ईशान शुक्ला को लैपटाप देकर सम्मानित किया।

श्री सत्यम यादव ने हाईस्कूल परीक्षा में टाप किया है और प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। सत्यम यादव कुंडा प्रतापगढ़ के निवासी है। ईशान शुक्ला ने इंटर मीडिएट परीक्षा में प्रतापगढ़ जनपद में प्रथम स्थान और प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया है।

6 मई को श्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर जनपद में आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाली सुश्री आराधना गुप्ता को लैपटाप देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

8 मई को श्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर जनपद में आईसीएसई बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण टापर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप और आईपैड देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री यादव ने गोरखपुर की अक्षिता गुप्ता को 10वीं बोर्ड की परीक्षा में पूरे उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी। आईसीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा में अनुज कसौधन को 98.5 प्रतिशत अंक मिले हैं। अनमोल अग्रवाल ने 98.5 प्रतिशत और गौरांग भटेजा ने 98.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। जबकि अनुष्का यादव ने 97.25 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

इन सभी को श्री अखिलेश यादव ने सम्मानित करते हुए उनके जीवन में सफलता की कामना की। इस अवसर पर गोरखपुर के समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अरविन्द दत्त शुक्ल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

21 अप्रैल को श्री अखिलेश यादव ने जिला मेरठ के पोस्ट ग्रेजुएट व इंजीनियरिंग कर रहे छात्रों को लैपटॉप देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महाराणा प्रताप जयंती

सपा कार्यालय में क्षत्रिय समाज का हुजूम

बुलेटिन ब्यूरो

वीरवर महाराणा प्रताप की जयंती 9 मई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर उल्लासपूर्वक मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम के दौरान सभागार क्षत्रिय प्रतिनिधियों से खचाखच भरा हुआ था।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने घोषणा की कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गोमती रिवर फ्रंट पर चेतक के साथ महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर सोने का भाला लगाएंगे। साथ ही सुंदर पार्क भी बनेगा और जयंती पर दो दिन का अवकाश घोषित किया जाएगा।

डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में आयोजित महाराणा प्रताप की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कलगीदार साफा बांधे क्षत्रिय प्रतिनिधियों समेत सभी को बधाई देते हुए कहा कि सबको मिलकर रहना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत में वीरों का लंबा इतिहास रहा है। उनमें एक प्रमुख नाम महाराणा प्रताप का भी है। उनका जीवन संघर्षपूर्ण रहा पर उन्होंने कभी स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। अन्याय और असुविधाओं का उन्होंने दृढ़ता से मुकाबला किया। महाराणा प्रताप तमाम चुनौतियों के सामने भी झुके नहीं। उनके चेतक घोड़े ने भी हमेशा उनका साथ दिया।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादियों का इतिहास भी संघर्ष का है। समाजवादी कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं करता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होने देता। जुल्म और अत्याचार के विरूद्ध संघर्ष में महाराणा प्रताप ने जिन कमजोर वर्गों का साथ लिया वही आज पीडीए में है। महाराणा ने तब उनका नेतृत्व किया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सबको सम्मान देते हैं। विकास के रास्ते का परिचय समाजवादी सरकार ने ही कराया। समाजवादी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के नौकरी दी। बिना भेदभाव के लैपटॉप बांटे गए। कन्याविद्या धन में 30 हजार रूपए दिए ताकि छात्राओं की पढ़ाई में बाधा न पड़े।

श्री अखिलेश यादव ने उपस्थित सभी लोगों को भाजपा से सावधान रहने को कहा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की भाजपा साजिश कर सकती है। भाजपा का परिचय अलोकतांत्रिक है लेकिन भाजपा समाजवादी सरकार का मुकाबला नहीं कर सकती है। वह पश्चिम बंगाल की कहानी उत्तर प्रदेश में नहीं दोहरा पाएगी। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री श्री अरविन्द सिंह गोप ने की। इस अवसर पर सर्वश्री वीरेन्द्र सिंह सांसद, अनुराग भदौरिया, योगेश प्रताप सिंह, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, उदयवीर सिंह, जूही सिंह, अवलेश सिंह, मंजू सिंह पूर्व एमएलए, राम सिंह राणा, सूरज सिंह, आईपी सिंह, राहुल सिंह, अनूप सिंह, राधेश्याम सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह, मनोज कुमार सिंह, राम प्रताप सिंह, रणविजय सिंह, अनिल सिंह वीरू, दिग्विजय सिंह देव, मनीष सिंह, ज्योत्सना सिंह, मीनाक्षी सिंह, सिंधुजीत सिंह बबलू, महेश सिसोदिया, राकेश सिंह, अजित प्रताप सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, राजदेव सिंह पूर्व एमएलसी, भारती चौहान, उग्रसेन सिंह, प्रतिभा सिंह, सुनील सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, विजय कुमार सिंह टीटू, प्रदीप सिंह पन्नू, शौर्य सिंह, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, मनोज सिंह डब्लू, सुजीत सिंह, सोनू सिंह, विनय कुमार सिंह आदि प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा सरकार बनाने का संकल्प लेकर धम्म यात्रा पर निकलेंगे बौद्ध भिक्षु

बुलेटिन ब्यूरो

बुद्ध पूर्णिमा पर 1 मई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने देश के कई राज्यों और उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से आए बौद्ध धर्म गुरूओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में शिरकत के लिए सभी भंते धर्म गुरुओं के प्रति श्री यादव ने आभार जताया। कार्यक्रम में धर्म गुरुओं ने समाजवादी सरकार के संकल्प के साथ 31 मई 2026 से धम्म यात्रा निकालने की घोषणा की।

कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने भगवान बुद्ध के रास्ते पर चलकर जीवन में खुशहाली लाने के लिए बौद्ध भिक्षुओं द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीवन में उतार चढ़ाव परेशानियां, दुःख, संकट आता रहता है। ये सब सभी के जीवन में होता है। भारत की धरती पर समय-समय पर जो ज्ञान दिया गया है उसमें भगवान बुद्ध का सबसे बड़ा योगदान है।

श्री अखिलेश यादव ने बौद्ध भिक्षुओं से कहा कि यह संकट का समय है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के दिए हुए संविधान और लोकतंत्र को कुछ ताकतें लगातार खतरा पैदा कर रही है। हमें भरोसा है इस लड़ाई में हमारे सभी पूज्यनीय आदरणीय बौद्ध भिक्षु हम सबको आशीर्वाद देंगे और कामयाब होने की शुभकामना देंगे।

श्री अखिलेश यादव ने बौद्ध भिक्षुओं को भरोसा दिलाया कि समाजवादी सरकार में लुम्बिनी, सारनाथ और कुशीनगर के विकास के लिए विशेष योजनाएं लाएंगे जिससे भगवान बुद्ध के रास्ते पर चलने वाले बहुजन समाज को दुनिया से और जोड़ा जा सके।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में कुशीनगर में एक बहुत बड़ी मैत्रेय परियोजना शुरू की गई थी। श्रीलंका और दुनिया के दूसरे हिस्से के लोग और बौद्ध

भिक्षु उसमें योगदान देना चाहते थे, वे सब मिले थे। समाजवादी पार्टी सरकार में सही मुआवजा देकर किसानों को संतुष्ट कर जमीन ली गई थी। अगर मैत्रेय योजना पूरी हो जाती है तो वह देश का महत्वपूर्ण स्थान बन जाता, वहां दुनिया भर से लोग आते है और भगवान बुद्ध के रास्ते पर चलने का संकल्प लेते।

भाजपा सरकार में वह योजना आधी-अधूरी रह गई। इस सरकार ने उस परियोजना को आगे नहीं बढ़ने दिया, जो जमीन ली गई थी उसे किसी और को बांट दिया। समाजवादी पार्टी की सरकार में दुनिया से जोड़ने के लिए कुशीनगर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट तैयार किया गया था जो लोग बेचने के लिए सिर्फ उद्घाटन करते है, वे अभी नहीं बेच पाए हैं। श्री यादव ने कहा कि कुशीनगर अन्तर्राष्ट्रीय शहर भी बनेगा और अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट भी चलेगा।

कार्यक्रम में भंते अनिरूद्ध बौद्ध ने संघदान कार्यक्रम के लिए श्री को बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत बड़ा कार्यक्रम है। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों से और मध्य प्रदेश से भंते आए हैं।

उन्होंने कहा कि श्री अखिलेश यादव का जन्म जहां हुआ वह बुद्ध अर्थात ज्ञान कीनगरी है। ज्ञान की नगरी से श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव द्वारा समाजवादी विचारधारा का आंदोलन चलाया गया। वह पूरे देश में दौड़ा। नेताजी और श्री यादव ने शोषित, पीड़ित और बहुजनों की आवाज बुलंद की। भगवान बुद्ध ने महिलाओं के लिए जो काम किया था वही नेता जी ने किया।

नेताजी को जब सरकार में मौका मिला तो उन्होंने नगर विकास ग्राम पंचायत, नगर पंचायत में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित

कीं। यह बहुत बड़ा ऐतिहासिक काम है। ऐसे ही आने वाले समय में जब समय मिलेगा श्री अखिलेश यादव जी भी करेंगे।

भंते अनिरूद्ध बौद्ध ने कहा कि जब हम लोग पीडीए को सत्ता में पहुंचाएंगे तो बहुत बड़ी क्रांति होगी। आने वाले 2027 में बहुत बड़ा परिवर्तन होगा।

भंते ने कहा कि भिक्षु लोग पीडीए पंचायत में जाएं, लोगों को समझाएं, बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। आरएसएस में बहन-बेटियों का सम्मान नहीं है। आरएसएस का एजेंडा बहन-बेटियों को अपमानित करने का रहा है।

श्री अनिरुद्ध बौद्ध ने 31 मई 2026 से श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को समाजवादी पार्टी को वोट देना है। साइकिल का बटन दबाना है।

कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने सभी भंते को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। भंते संघ दीप कुशीनगर ने भगवान बुद्ध की लेटी हुई प्रतिमा भेंट की।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती के साथ राजेन्द्र कुमार विधायक तथा समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारती कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भारत की संसदीय प्रणाली में मधु लिमये का योगदान अप्रतिम

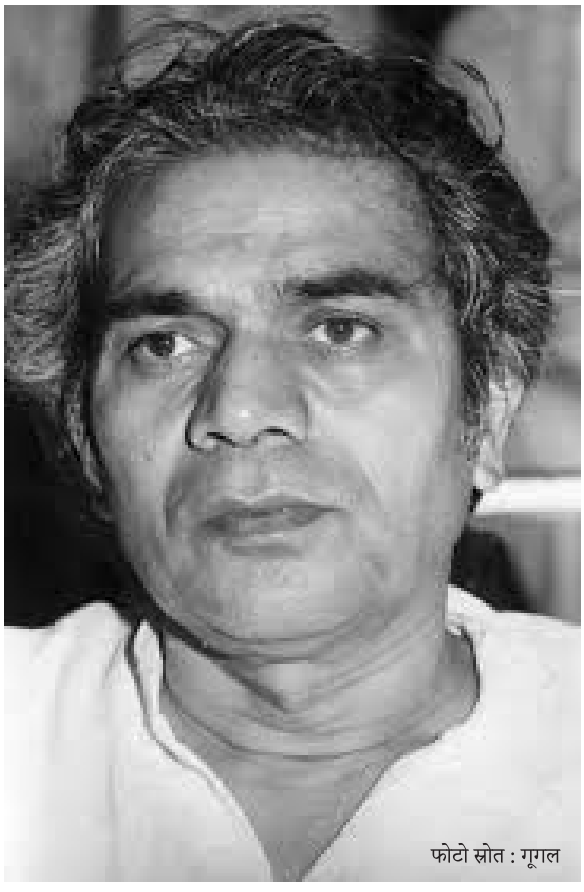

फोटो स्रोत : गूगल

मधुकर त्रिवेदी

समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया के निधन के बाद समाजवादी आंदोलन के तीन शीर्ष नेता रह गए थे। मधुलिमये, राजनारायण और जार्ज फर्नान्डिस। इनमें मधु लिमये डाक्टर साहब के विचारों और सिद्धांतों के व्याख्याकार थे तो राजनारायण स्वतंत्र भारत में लोहिया जी के बाद अन्याय के खिलाफ सिविल नाफरमानी के दूसरे प्रतीक बन गए थे।

मधुजी में बौद्धिक पक्ष प्रखर था इसलिए उनसे मिलने वाला सामान्य कार्यकर्ता तो अचकचा जाता था पर जो उनके संपर्क में रहा वह बार-बार उनके यहां जाना अपना सौभाग्य समझता था। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी मधुजी न तो अपनी वरिष्ठता का रौब दिखाते थे और न ही किसी को अपनी विद्वता से चमत्कृत करने का सायास प्रयास करते थे। उनमें फिर भी कुछ ऐसा था कि लोग उन्हें अपना श्रद्धेय मानते थे। डॉ लोहिया की तरह वह भी संस्कृति, कला, साहित्य के क्षेत्र में समान गति रखते थे।

पूना में 01 मई 1922 को मधुजी का जन्म हुआ था। 1938-1948 के बीच वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी में रहे। पढ़ाई बीच में छोड़कर वह स्वतंत्रता आन्दोलन में कूद पड़े। सन् 1940-45 तक वे जेल में भी रहे। उन्होंने गोवा मुक्ति संग्राम में भाग लिया तब पुर्तगाली सरकार ने उन्हें यातना देकर अधमरा कर दिया था। पुर्तगाली जेल में उन्हें 19 महीने बिताने पड़े। श्री लिमये तीसरी, चौथी, पांचवीं और छठीं लोकसभा के सदस्य रहे। 1975 में आपातकाल लगा तो उनकी गिरफ्तारी हुई और 07 फरवरी 1977 को रिहाई। चौधरी चरण सिंह को प्रधानमंत्री बनवाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने 1982 में राजनीति से सन्यास ले लिया। 8 जनवरी, 1995 को उनका निधन हो गया।

डा लोहिया और मधु लिमये के बीच गहरी समझ और परस्पर विश्वास का असाधारण भाव था। समाजवादी आन्दोलन के अग्रणी नेता एवं सांसद होते हुए भी उन्होंने सादगी से रहने का संकल्प लिया था। उनके घर में टीवी, फ्रिज जैसी चीजें भी नहीं थीं। घड़े का पानी पीते थे। खाना और चाय स्वयं बनाते

थे।

उनके पंडारा रोड के आवास पर चाहे जितने कार्यकर्ता पहुंच जाएं वे सबको चाय खुद ही बनाकर पिलाते थे। उनका अध्ययन विशद था इसलिए वे घटनाओं का सही मूल्यांकन कर पाते थे। संविधान, इतिहास, राजनीति, अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति इन विषयों पर उनका अधिकार था।

स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाई थी लेकिन इसके लिए भारत सरकार की पेंशन उन्होंने स्वीकार नहीं की थी। संसद सदस्य की पेंशन लेने को भी तैयार नहीं थे। सक्रिय राजनीति से सन्यास लेने के बाद वे दिल्ली में स्वाधीनता सेनानी के नाम पर आवंटित एक छोटे से मकान में रहते थे। एक साधारण नागरिक की तरह तिपहिया पर नेहरू लाइब्रेरी जाते थे। अपने लेखन से ही अपना जीवन चलाने वाले सन्यासी थे।

मधुजी में सत्ता से जुड़ाव या उसके लाभ लेने की मानसिकता नहीं थी इसीलिए जब आपातकाल के बाद जनता पार्टी की सरकार बनी तो मित्रों के तमाम दबावों के बावजूद वह सरकार में शामिल होने को राजी नहीं हुए। इसके बजाय वह संगठन में गए। जनता पार्टी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर थे और मधुलिमये महामंत्री।

भारत की संसदीय प्रणाली में मधुजी का योगदान अप्रतिम है। 1957 तक संसद में विशेषाधिकार व शून्यकाल की चर्चा नहीं होती थी। आज ये बहुचर्चित है तो इसके पीछे मधुलिमये का संसदीय ज्ञान और उनकी बौद्धिक प्रखरता थी।

संसद में कई ऐसे मौके आए जब सबने उनकी बातों का लोहा माना। अपने अकाट्य तर्कों से वह सरकार को निरूत्तर कर देते थे। मराठी और अंग्रेजी पर उनकी पकड़ थी लेकिन वे ज्यादातर हिन्दी में ही अपनी बात रखते थे।

मधुजी केवल शुष्क राजनेता ही नहीं कला पारखी भी थे। कलाकारों के साथ उनकी बैठकें बहुत रोचक और ज्ञानवर्धक होती थी। प्रख्यात नृत्यांगना सोनल मान सिंह का कहना रहा है कि मधुजी संगीत और नृत्य के मर्मज्ञ थे। लिमये जी के यहां वामपंथी, दक्षिणपंथी सभी आते थे। नानाजी देशमुख के शब्दों में, "मधु लिमये यानी एक सच्चा आदमी। पूरे खुले मन के और सीधे।"

मधु लिमये को जाति धर्म की राजनीति में जरा भी रूचि नहीं थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की रीति-नीति की वे खुली मुखालफत करते थे। कट्टरपंथियों का विरोध करने पर उन्हें कई बार धमकियां भी दी गईं लेकिन उन्होंने कभी सुरक्षा नहीं ली।

अन्याय के खिलाफ गुस्सा और प्रतिरोध, आर्थिक और सामाजिक समता के लिए चलने वाले आन्दोलनों से उनका जुड़ाव और आदर्श को जीवन में उतार लेने का उनका आग्रह सब कुछ उन्हें श्रद्धेय और अनुकरणीय बनाता है

अन्याय के खिलाफ गुस्सा और प्रतिरोध, आर्थिक और सामाजिक समता के लिए चलने वाले आन्दोलनों से उनका जुड़ाव और आदर्श को जीवन में उतार लेने का उनका आग्रह सब कुछ उन्हें श्रद्धेय और अनुकरणीय बनाता है।

मधु लिमये अपने समय की राजनीति में आदर्श और सिद्धांतों के क्षरण से बहुत चिंतित थे।

मधुजी पिछड़ी जातियों, दलितों और अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत के अनुरूप आरक्षण के समर्थक थे। उनका मानना था कि, "किसी जाति या वर्ग का कुल जनसंख्या में जो अनुपात है उसके 50 प्रतिशत से कम को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न माना जाए। अन्य पिछड़े वर्गों में अति पिछड़ों की श्रेणी में आने वालों तथा अनुसूचित जातियों और जनजातियों के मामले में उनके जनसंख्या अनुपात के शत-प्रतिशत को पर्याप्त प्रतिनिधित्व माना जाए। जब ये जातियां और समूह अपने पैरों पर खड़ा होने के लायक हो जाएं तभी उन्हें आरक्षण की परिधि से बाहर किया जाए।"

मधु लिमये की जीवनी के लेखक श्री प्रकाश बेंद्रे ने ठीक ही लिखा है कि "मधु लिमये को समझने का मतलब है समाजवादी इतिहास को समझ लेना। अपने जीवन के पचपन साल का सुदीर्घ समय लिमये जी ने समाजवादी आन्दोलन के लिए समर्पित कर दिया था। लिमये और समाजवादी आन्दोलन एक ही सिक्के के दो पहलू थे। मधुजी का नाम समाजवादी आन्दोलन के इतिहास का शिलालेख है।"

(लेखक यशभारती सम्मान प्राप्त पत्रकार हैं)

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India | President @samajwadiparty | Member of Parliament, Kannauj | Former Chief Minister, Uttar Pradesh

Lucknow, India · samajwadiparty.in · Joined July 2009

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 2d
भाजपा PDA के आरक्षण की लूट का गैंग है।

Akhilesh Yadav @yadavakh... · 14h
जब इंसाफ़ की आवाज़ उठाने के लिए किसी को हिरासत में ले लिया जाए, वही समय कलयुग है।

समाजवादी पार्टी की मा. सांसद का गुनाह क्या केवल इतना है कि वो उस माँ की मदद कर रही थीं, जिसने अपना बेटा खोया है, और जो संवेदनहीन-निर्मम भाजपा राज में न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर है।

भाजपा के समर्थक भी इस बात से शर्मिंदा होंगे और इस जुल्म और ज़्यादती की निंदा करेंगे।

पीडीए अब सहेगा नहीं, कहेगा!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

संविधान द्वारा दिये गये आरक्षण के अधिकार को मारनेवाली भाजपा का अंहकार आज अंदर-ही-अंदर बहुत ख़ुश होगा कि सदियों से वंचित, शोषित, पीड़ित समाज आज भी उनके वर्चस्व के आगे दंडवत होकर याचना कर रहा है लेकिन अपने प्रभुत्व के घमंड में चूर भाजपाई और उनके संगी-साथी ये भी याद रखें कि जब आग्रह हार जाता है, तब इंसान सीमाएं लांघ जाता है।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 1d
'श्रीरामचरितमानस' हमारी सौहार्दपूर्ण संस्कृति का संविधान है और मानवीय-व्यावहारिक मर्यादा का आचार संहिता कोश।

उप्र भाजपा सरकार ने जिस तरह लखनऊ में 'श्रीरामचरितमानस' का अपमान-तिरस्कार किया है, वो किसी भी तरह क्षमा करने योग्य नहीं है।

भाजपाइयों का सिर्फ़ एक धर्म है और वो है पैसा।

देश 'अधर्मी भाजपा' को अब हमेशा के लिए हटा देगा।

भाजपाई और उनके संगी-साथी प्रभु राम के भी सगे नहीं हैं।

धर्म कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जहाँ-जहाँ भाजपा राज, वहाँ पीडीए पर अत्याचार।

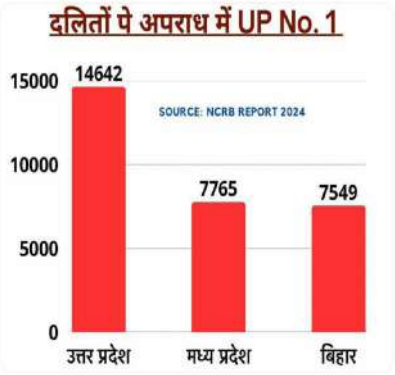

Akhilesh Yadav @yadavakh... · 18h
जब पेट्रोल के दाम लगातार बढ़ रहे हों तो जाम से तिहरा नुक़सान होता है। एक तो महंगा पेट्रोल ज़्यादा खर्च होता है; दूसरा प्रदूषण बढ़ता है और तीसरा जाम खुलने के इंतज़ार में तनाव हर मिनट बढ़ता जाता है मतलब आर्थिक, पर्यावरणीय और मानसिक हर तरह से जनता की हानि-ही-हानि होती है।

'स्मार्ट सिटी' के नाम पर लखनऊ उपहास का विषय बन गया है और लोग कह रहे हैं : खिसियाइए कि आप लखनऊ में हैं!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

उप्र की एक बेटी की, मप्र के भोपाल में हुई दहेज़ हत्या कांड की गंभीर जाँच हो और पीड़ित पक्ष को न्याय मिले।

जब दोनों राज्यों 'मध्य प्रदेश' और 'उत्तर प्रदेश' में भाजपा सरकारें हैं तो फिर कार्रवाई न करने का क्या कारण है। ये स्पष्ट किया जाए।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जब 'हुक्मरानों' की बुरी नज़र रहती हो केवल बुराई पर ऐसे में हमारी बात हो बस लोगों की अच्छाई-भलाई पर

16:12 · 16 May 26 · 57.7K Views

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 1d

भाजपाइयों के कुकर्मों का एक और घिनौना उदाहरण। सत्ता के अहंकार में भाजपाई वहशी हो गये हैं। आज किसी की भी बहन-बेटी सुरक्षित नहीं है।

जनता न्याय की माँग करे भी तो किसके, भाजपाइयों ने सब जगह अपने भ्रष्ट लोग बैठा दिये हैं।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

ऐसे ही जुझारू नेताओं और कार्यकर्ताओं से सामाजिक न्याय का राज आएगा, जो भेदभाव मिटाएगा, सबके लिए तरक़्क़ी और ख़ुशहाली लाएगा।

जन हित का संकल्प ही हमारे संघर्ष की शक्ति है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

तृतीय बड़े मंगल पर दर्शन व भंडारे में सेवा के सौभाग्यशाली क्षण।

सब पर 'हनुमत कृपा' बनी रहे!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

दुख में सब साथ हैं।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

हम वो नहीं जो मुश्किलों में साथ छोड़ दें।

Akhilesh Yadav @yadavakhi... · 21h

जिस अपनी वाहिनी की भूरी-भूरी प्रशंसा प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने अभी हाल में ही की थी, उस वाहिनी के 'बलात्कार के आरोपी' एक बड़े पदाधिकारी की जमानत होने पर, जिस तरह उसका पुष्प वर्षा व माल्यार्पण से स्वागत हुआ है, उससे निंदनीय और कुछ नहीं हो सकता।

लगता है माननीय अगला चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने के लिए अपने पक्के समर्थकों को बाहर निकाल रहे हैं।

अब कल को जमानत पर रिहा ये बलात्कार का आरोपी 'महिला आरक्षण' के समर्थन में नारे लगाते दिखेगा।

यही 'अधर्मी भाजपा' व उनके आनुषंगिक संगठनों, वाहिनी व परिषद का मूल चरित्र है।

घोर निंदनीय!

#अधर्मी_भाजपा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

आगे बढ़ना है तो साइकिल ही विकल्प है।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 1d

दरअसल भाजपावाले ये कहना चाहते हैं कि जब दुनिया की सबसे बड़ी झूठ की यूनिवर्सिटी भाजपावाले ख़ुद हैं तो कहीं बाहर से पाठ्य-सामग्री क्यों ली जाए - थोक में झूठ पैदा करनेवाली भाजपा की स्वदेशी फैक्ट्री है ना!

जब लाख झूठे गले होंगे तो दो-चार भाजपाई बने होंगे।

प्रिय देशवासियों,

आज प. बंगाल आकर चुनाव की महाधांधली और महाबेईमानी के बारे में जानकर ये लगा कि अब बात केवल चुनाव की प्रक्रिया को बचाने की नहीं है, देश को बचाने की है।

आज देश उन गलत हाथों में चला गया है जो संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण, स्वतंत्रता, समता-समानता, न्याय, गरिमा, देश की एकता-अखंडता, सद्भाव-सौहार्द-बंधुत्व, महिलाओं के मान-सम्मान, युवाओं, किसानों, मज़दूरों, शोषित, वंचित, ग़रीब कुल मिलाकर पीड़ित-पीडीए के वर्तमान व भविष्य के हक़ और अधिकारों के घोर विरोधी हैं।

भाजपाई और उनके मुख़बिर संगी-साथी आज़ादी से पहले भी देश के विरोधी थे और आज़ादी के बाद भी हैं।

अब देशवासियों को ये समझना है कि :
- देश की एकता और व्यवस्था को भंग करके कमज़ोर करनेवाले ये लोग किसके एजेंट हैं?
- स्वदेशी की बात करके विदेश से पैसा लेनेवाले ये लोग कौन हैं?
- ये अनरजिस्टर्ड क्यों हैं और अंडरग्राउंड क्यों रहते हैं?
- ये कोविड के नाम पर जनता से जमा किये चंदे का हिसाब क्यों नहीं देते हैं?
- ये भ्रष्टाचार को बढ़ाकर देश को बर्बाद क्यों कर रहे हैं?
- ये देश की तरक़्क़ी के लिए योजना बनानेवाले 'योजना आयोग' को समाप्त करके देश के विकास को ख़त्म करने की चाल क्यों चल रहे हैं?
- ये शिक्षा पर क़ब्ज़ा करके देश की मानसिक शक्ति को खोखला क्यों कर रहे हैं?
- ये सरकारी स्कूलों को बंद करके आम जनता के बच्चों को अनपढ़ रखने का षड्यंत्र क्यों कर रहे हैं?
- नोटबंदी से छोटे कारोबार के ख़ात्मे की साज़िश क्यों करी?
- नोटबंदी घोटाले में बैंकिंग व्यवस्था को नोट बदलने के नाम पर भ्रष्ट क्यों किया?
- जीएसटी को जानबूझकर उलझाऊ और भ्रष्ट बनाकर ये देश की अर्थव्यवस्था को चौपट क्यों कर रहे है?
- ये अपने लोगों को पैसा जमाकर करके बाहर क्यों भेज देते हैं?
- विश्वगुरु का दावा करनेवाले विश्व के विभिन्न देशों में भाग गये, देश के लुटेरों को ये लोग वापस क्यों नहीं ला रहे हैं?
- ये साम्प्रदायिकता का ज़हर फैलाकर देश की एकता को क्यों तोड़ना चाहते हैं?
- राजनीतिक दलों को तोड़कर ये लोग देश की राज-व्यवस्था को नेस्तनाबूद करने पर क्यों आमादा है?

अब वो निर्णायक समय आ गया है, जब हम सबको मिलकर इन देश विरोधी नकारात्मक ताक़तों को हमेशा के लिए हराना होगा, देश को बचाना होगा, और देश की नई आज़ादी के लिए तिरंगा उठाना होगा!

आपका

अखिलेश

साभार: X@yadavakhilesh

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party